

एजेंसी►► चुरु

राजस्थान के चूरू जिले में शनिवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ले ली है। चूरू शहर के साथ-साथ तारानगर क्षेत्र और मेहरी गांव समेत आसपास के इलाकों में तेज हवाओं के साथ धूल का गुबार छा गया। हवा की रफतार बने कुछ ही देर में आसमान धूल की परत से ढंक गया। कई स्थानों पर धूल घरों और दुकानों के भीतर तक पहुंच गई। लोगों को कुछ समय के लिए आवाजाही में भी दिक्कों का सामना करना पड़ा।

कई जिलों में दिन के समय भी अंधेरा हो गया

श्रीगंगानगर, बीकानेर और सीकर जिलों में धूल और रेत का जबरदस्त बवंडर देखने को मिला। आसमान में धूल छाने से दिन के समय भी अंधेरा महसूस हुआ। सड़कों पर चल रहे वाहनों को हेडलाइट का सहारा लेना पड़। बवंडर के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

ओलावृष्टि और बिजली गिरने की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बीकानेर, जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर और उदयपुर संभाग के कुछ क्षेत्रों में तेज आंधी चलने की आशंका है। इसके अलावा कुछ इलाकों में गरज-चमक, ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना व्यक्त की है।

उधर, नोएडा में धूल मरी आंधी, दिल्ली-हरियाणा में झमाझम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी के बीच शनिवार दोपहर को मौसम का मिजाज बदल गया। हरियाणा के सोनीपत और गुरुग्राम में तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। बताया गया कि दोपहर को आसमान में बादल छाए और धूल भरी आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से तापमान में गिरावट आई है। लोगों को गर्मी से राहत मिली। राजधानी दिल्ली और नोएडा में भी बारिश शुरू हो गई है।

खबर संक्षेप

स्पार्क मिंडा कंपनी में आग, मची अफरा-तफरी
नोएडा। सेक्टर 59 स्थित मिंडा कंपनी में शनिवार शाम को भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद कंपनी के अंदर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस घटना में कुछ लोग चोटिल भी हुए हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया आग लगने की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई की गई।

हाइवे पर ट्रक ने गाड़ी को 500 मीटर घसीटा
भुवनेश्वर।भुवनेश्वर में कटक हाइवे से एक रंगटे खड़े कर देने वाला दृश्य सामने आया है। यहां भुवनेश्वर से कटक की ओर जा रहे एक ट्रक ने कार को टक्कर मारी और फिर उसे करीब 500 मीटर तक सड़क पर घसीटा ले गया। हाईटेक चौराहे के पास हुई इस घटना से अफरा तफरी मच गई। कार में लोग सवार थे जो बाल बाल बच गए।

आम, लीची, लड्डू लेकर सिंगापुर पहुंचे लालू
नई दिल्ली। राजद के सुप्रियो लालू प्रसाद यादव सिंगापुर पहुंच गए हैं। एयरपोर्ट पर उन्हें बेटी रोहिणी आचार्या ने रिसीव किया। अपने पिता से मिलते ही वह उनसे गले लग गईं। लालू अपनी बेटी के लिए घर से आम, लीची, लड्डू समेत अन्य चीजें लेकर पहुंचे। मैहीनों बाद अपने पिता से मिलने पर रोहिणी आचार्या भावुक हो गईं।

गोवा स्थापना दिवस पर देशभर से शुभकामनाएं
पणजी। गोवा राज्य स्थापना दिवस पर केंद्रीय मंत्रियों और प्रमुख भाजपा नेताओं ने राज्यवासियों को शुभकामनाएं दीं। रक्षा मंत्री शशिंद्र सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा समेत कई केंद्रीय मंत्रियों ने 'एक्स' पर विरासत की सराहना की।

कार में जले मिले 4 शव बेटे ने ही की हत्या
अजमेर। अजमेर जिले के बोराना में स्कॉर्पियो में 4लोगों के जले हुए शव मिलने का मामला पारिवारिक हत्याकांड के रूप में सामने आया है। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर कुछ ही घंटों में मामले का खुलासा कर दिया। मृतक पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी के 17 वर्षीय बेटे ने मां और बहन के साथ अंजाम दिया था।

आरोप...अब सीयूईटी को लेकर राहुल ने प्रधानमंत्री पर कसा तंज दावे विश्वगुरु के, एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं करा सकते, किसे ‘बचाया’ जा रहा?

एजेंसी►►नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्वगुरु बनने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार एक भी परीक्षा को ठीक से आयोजित कराने में सक्षम नहीं है। राहुल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बताया कि शनिवार को देश भर के स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण देरी से शुरू हुई। राहुल ने 'एक्स' पर कहा, नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी। 4 परीक्षाएं। एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि देश के अंदर एक भी परीक्षा ढंग से आयोजित नहीं हो पा रही है। वहीं, 'विश्वगुरु' बनने के दावे किए जा रहे हैं।

राहुल के तंज पर भड़की भाजपा राहुल गलत बयानबाजी कर रहे

राहुल गांधी के बयान के बाद भाजपा ने उन पर जमकर हमला बोला। पार्टी का कहना है कि विपक्ष के नेता ने जिम्मेदारी दिखाने के बजाय सनसनी फैलाने का रास्ता चुना है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और छात्रों के गंभीर मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

राहुल के तंज पर भड़की भाजपा राहुल गलत बयानबाजी कर रहे

राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए सार्थक के दावों का जिक्र किया और मामले में स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। छात्र सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि सीबीएसई ने चयन प्रक्रिया के दौरान नियमों में बदलाव कर सीओईएमपीटी को फायदा पहुंचाया। सार्थक ने कथित तौर पर सीबीएसई के आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला दिया है।

राहुल के तंज पर भड़की भाजपा राहुल गलत बयानबाजी कर रहे

राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए सार्थक के दावों का जिक्र किया और मामले में स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। छात्र सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि सीबीएसई ने चयन प्रक्रिया के दौरान नियमों में बदलाव कर सीओईएमपीटी को फायदा पहुंचाया। सार्थक ने कथित तौर पर सीबीएसई के आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला दिया है।

राहुल के तंज पर भड़की भाजपा राहुल गलत बयानबाजी कर रहे

राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए सार्थक के दावों का जिक्र किया और मामले में स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। छात्र सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि सीबीएसई ने चयन प्रक्रिया के दौरान नियमों में बदलाव कर सीओईएमपीटी को फायदा पहुंचाया। सार्थक ने कथित तौर पर सीबीएसई के आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला दिया है।

राहुल के तंज पर भड़की भाजपा राहुल गलत बयानबाजी कर रहे

राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए सार्थक के दावों का जिक्र किया और मामले में स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। छात्र सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि सीबीएसई ने चयन प्रक्रिया के दौरान नियमों में बदलाव कर सीओईएमपीटी को फायदा पहुंचाया। सार्थक ने कथित तौर पर सीबीएसई के आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला दिया है।

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की पीठ सुनाएगी फैसला

धार्मिक अधिकारों और समानता का मामला

एजेंसी►►नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक पारसी महिला के साथ कथित धार्मिक भेदभाव के मामले में कहा है कि वह इस मुद्दे पर फैसला देने से पहले 9 जजों की संविधान पीठ के निर्णय का इंतजार करेगा। मामला उस पारसी महिला से जुड़ा है जिसने दूसरे धर्म के व्यक्ति से शादी की, लेकिन अपना धर्म नहीं बदला। उसे नागपुर के अग्नि मंदिर में प्रवेश से रोक दिया गया। कोर्ट ने कहा कि यह मामला महिलाओं के धार्मिक अधिकारों और समानता से जुड़ा बड़ा संवैधानिक सवाल है।

सीजेआई की बेंच करेगी सुनवाई

पीठ में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली शामिल थे। अदालत दीना बुधराजा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दीना ने एक हिंदू व्यक्ति से विवाह किया था, लेकिन उन्होंने पारसी धर्म नहीं छोड़ा। महिला ने कहा धार्मिक कार्यक्रमों और प्रार्थनाओं में शामिल होने की अनुमति दी जाए। नागपुर पारसी पंचायत का संविधान खूट नहीं देता है।

राबड़ी के आवास पहुंची पटना पुलिस फोर्स बुला लो, बंगला खाली नहीं करेंगे, जो चाहे कर लो

एजेंसी►►पटना

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना स्थित आवास पर पुलिस पहुंच गई है। सरकार से नोटिस मिलने के बाद शनिवार को हुई राबड़ी ने कहा था कि वह बंगला खाली नहीं करेंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को फोर्स बुलाकर आवास खाली कराने की खुली चुनौती भी दी। इसके कुछ घंटे बाद ही पटना पुलिस की टीम 10 सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी देवी के आवास पर पहुंच गई। इससे बिहार का सियासी पारा गरमा गया है। बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को राज्य सरकार ने 39 हाईगं रोड स्थित नया सरकारी आवास आवंटित किया है। उन्हें कई बार 10 सर्कुलर रोड बंगला खाली करने का नोटिस दिया जा चुका है, जिसमें आरजेडी के सुप्रियो लालू प्रसाद यादव का परिवार दो दशक से रह रहा है। चौधरी ने उनकी चुनौती को स्वीकार कर लिया है।

एजेंसी►►नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की है कि 1 जून से 30 जून तक पूरे देश में 'खेत बचाओ अभियान' चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी संरक्षण, मौसम आधारित कृषि सलाह और सरकारी योजनाओं के लाभ से जोड़ना है। अभियान केवल जागरूकता कार्यक्रम नहीं, खेत, किसान और गांव को जोड़ने वाले राष्ट्रीय जनअभियान के रूप में विकसित करने की तैयारी की गई है।

कर्नाटक में नई सरकार जल्द बनेगी शिवकुमार बने विधायक दल के नेता, 3 जून को लेंगे शपथ

शिवकुमार ही होंगे अगले मुख्यमंत्री: कांग्रेस

कांग्रेस नेता सतीश जारकीहोली ने स्पष्ट कहा है कि शिवकुमार ही राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं रह गया है। हाईकमान ने फैसला कर लिया है कि शिवकुमार हमारे अगले मुख्यमंत्री होंगे। इसकी घोषणा पहले ही हो चुकी है। सिद्धारमैया भी इसका ऐलान कर चुके हैं। हमें उम्मीद है कि सिद्धारमैया सरकार के दौरान हुए अच्छे काम आगे भी जारी रहेंगे। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है और हमारे नए मुख्यमंत्री इसे निभाएंगे।

राज्यपाल से मिले शिवकुमार

शिवकुमार शनिवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात के बाद अपने आवास लौट आए। उन्होंने दिन में लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल से भेंट की थी। यह मुलाकात नई सरकार के गठन और शपथ ग्रहण पर आधारित थी।

उप मुख्यमंत्री पद को लेकर दलित और लिंगायत समुदाय ने बनाया दबाव

नई सरकार में कितने उपमुख्यमंत्री होंगे, इस पर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। दलित समुदाय के नेताओं ने शनिवार को केएमगेड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि पूर्व मंत्री केएच मुनिगप्पा को राज्य का उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया जाए। मदरा महासभा और विभिन्न दलित संगठनों के नेताओं ने पोस्टर लेकर कांग्रेस नेतृत्व से मुनिगप्पा को उपमुख्यमंत्री पद देने का आग्रह किया।

जरांगे ने शुरू की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल ने शनिवार को जालना जिले में भीषण गर्मी के बीच अपना नौवां अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया। मुंबई से 400 किमी दूर स्थित अंतरवाली सराटी गांव में खुले मैदान में अनशन शुरू किया।मराठा आरक्षण मंत्रिमंडलीय उप-समिति अध्यक्ष-मंत्री ने मनाने की कोशिश की।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री चौहान ने घोषणा की देशभर में आज से पूरे माह चलेगा ‘खेत बचाओ अभियान’

इस दौरान संतुलित उर्वरक उपयोग पर रहेगा विशेष जोर

उच्चस्तरीय बैठक में तैयार की रणनीति

नई दिल्ली मेंउच्चस्तरीय बैठक मेंचौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान का मुख्य फोकस खेतों की सेहत बचाने, कृषि लागत को नियंत्रित करने और किसानों को सही समय पर सही सलाह उपलब्ध कराने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान केंद्र, राज्य और पंचायतों की साझी भागीदारी के मॉडल पर संचालित होगा।

सभी किसानों को जागरूक किया जाएगा

शिवराज ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग को कम करना अभियान का प्रमुख लक्ष्य होगा। किसानों को मुदा परीक्षण आधारित खेती, संतुलित खाद उपयोग, हरी खाद, जैविक उत्पादों और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाएगा। विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन और प्रशिक्षण भी आयोजित किए जाएंगे।

बोधगया पहुंचे मिन आंग ने महाबोधि मंदिर में की पूजा-अर्चना

» **बौद्ध विरासत से जुड़े विभिन्न स्थलों का अवलोकन किया**

म्यांमार के राष्ट्रपति ने विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की। साथ ही भारत और म्यांमार के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों के और मजबूत होने की प्रार्थना भी की

खबर संक्षेप

ट्रंप की बेटी टिफनी पहुंची अक्षरधाम मंदिर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बुलोस के



साथ अक्षरधाम मंदिर पहुंची। भारत के निजी दौरे पर आए दंपति ने मंदिर परिसर देखा और यहां की भव्यता, संस्कृति और आध्यात्मिक माहौल की सराहना की। करीबी दोस्तों के साथ पहुंचे टिफनी ट्रंप और माइकल बुलोस ने मंदिर में काफी समय बिताया। इस दौरान टिफनी ट्रंप ने आंगंतुक पुस्तिका में लिखा कि यह यात्रा बेहद शानदार रही। यहां की खूबसूरती अद्भुत है। इस शानदार अनुभव के लिए धन्यवाद।

200 करोड़ की ठगी में जैकलीन पर आरोप तय

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर और अभिनेत्री जैकलीन



फर्नांडीज एवं 15 अन्य के खिलाफ 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप तय करने का आदेश दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) प्रशांत शर्मा ने कहा कि पहली नजर में आरोपियों के खिलाफ रिकॉर्ड पर पर्याप्त सबूत हैं। इन सबूतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ गंभीर संदेह पैदा होता है। इन पर मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम की धारा 3 के तहत अपराध का आरोप लगाया जाना चाहिए।

चीन की सीक्रेट एजेंट निकलीं पूर्व अमेरिकी मेयर

लॉस एंजेलिस। अमेरिका के कैलिफोर्निया के अर्काडिया शहर की पूर्व मेयर एलीन वांग ने



अदालत में अपना गुनाह कबूल कर लिया है। 56 साल की वांग ने माना कि उन्होंने चीनी अधिकारियों के इशारे पर काम किया था। वे अपनी वेबसाइट पर चीन के पक्ष वाली खबरें शेयर करती थीं। अमेरिकी कानून के मुताबिक ऐसा करने से पहले सरकार को सूचना देना जरूरी है। फिलहाल वांग 25,000 डॉलर के मुचलके पर बाहर हैं। उन्हें 6 अक्टूबर को सजा सुनाई जाएगी।

सिंगापुर में भारत ने रक्षा कूटनीति की गति दी रक्षा सचिव ने ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ और नीदरलैंड के अधिकारियों से की मुलाकात

एजेसी » | सिंगापुर

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शनिवार को सिंगापुर में ‘शांगरी-ला डायलाग’ से इतर ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ और नीदरलैंड के वरिष्ठ अधिकारियों के समुद्री अलाग-अलग वाता की। भारत ने प्रमुख हिंद-प्रशांत और यूरोपीय साझेदारों के साथ रक्षा कूटनीति की गति दी है। सिंह की ऑस्ट्रेलियाई रक्षा सचिव मेघन विवन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों पक्षों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की, आगामी उच्चस्तरीय बैठकों पर चर्चा की और पारस्परिक हित के क्षेत्रों में रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर विमर्श किया। हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गया है, जहां से वैश्विक समुद्री अलाग का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। भारत के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र उसकी सुरक्षा रणनीति का मूल है, जिसके रणनीतिक हित मलक्का जलडमरूमध्य से लेकर फारस की खाड़ी तक फैले हुए हैं।

4 दिवसीय भारत यात्रा पर आए म्यांमार के राष्ट्रपति



म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाईंग ने बोधगया मंदिर में की पूजा

बोधिवृक्ष और सुजाता मंदिर का भी किया दर्शन

महाबोधि मंदिर में पूजा के बाद राष्ट्रपति ने बोधिवृक्ष का दर्शन किया। इसके बाद उन्होंने मुचल्लिदा सरोवर और सुजाता मंदिर का भी भ्रमण किया। बौद्ध धर्म से जुड़े इन महत्वपूर्ण स्थलों के प्रति उन्होंने विशेष श्रद्धा व्यक्त की। बोधगया भ्रमण के दौरान स्थानीय प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। म्यांमार के डेलीगेशन के सदस्य भी उनके साथ मौजूद रहे। बोधगया यात्रा पूरी करने के बाद राष्ट्रपति दोपहर तीन बजे गयाजी एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

मंदिर प्रबंधन ने किया स्वागत

महाबोधि मंदिर पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन और बौद्ध भिक्षुओं ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। मंदिर के प्रबंधक भिक्षु डॉ. दीनानंद और वरीय भिक्षु डॉ. मनोज ने उन्हें पवित्र खाद पहनाया। राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाईंग ने महाबोधि मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना की। उन्होंने विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की। साथ ही भारत और म्यांमार के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों के और मजबूत होने की प्रार्थना भी की। पूजा के दौरान मंदिर परिसर में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

» पुलिस पूछताछ में पता चला है कि संदिग्ध आरोपी पावर प्लांट, न्यूक्लियर प्लांट, बिजली घर, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशनों को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। पाकिस्तान से भेजा गया विस्फोटक भी बरामद कर लिया गया है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी अंडरवर्ल्ड की मदद से देश को दहलाने की खतरनाक साजिश रच रही थी

1 महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षाकर्मियों पर हमले की योजना थी



एजेसी » | नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को फिर से दहलाने की साजिश रची जा रही थी। लेकिन समय से पहले एक्शन लेते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी आईएसआई और फरार गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के इशारे पर काम करने वाले 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

इन्हें दिल्ली में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षाकर्मियों पर हमला करने का काम सौंपा गया था। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के अनुसार, इनके पास से हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के मुताबिक ये सभी आरोपी पाकिस्तानी आईएसआई हैंडलर के इशारे पर काम कर रहे थे। उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों के ठिकानों को निशाना बनाने का जिम्मा सौंपा गया था। पुलिस का कहना है कि आरोपी सार्वजनिक स्थानों और सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर हमले की साजिश रच रहे थे। इनके पास से कई खतरनाक हथियार और विस्फोटक बरामद हुए हैं।

2 आरोपियों के पास से कई हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई



दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम की गिरफ्त में आतंकी

अनुसार, इनके पास से हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के मुताबिक ये सभी आरोपी पाकिस्तानी आईएसआई हैंडलर के इशारे पर काम कर रहे थे। उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों के ठिकानों को निशाना बनाने का जिम्मा सौंपा गया था। पुलिस का कहना है कि आरोपी सार्वजनिक स्थानों और सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर हमले की साजिश रच रहे थे। इनके पास से कई खतरनाक हथियार और विस्फोटक बरामद हुए हैं।

खुफिया जानकारी पर की गई कार्रवाई

इस सप्ताह की शुरुआत में, पुलिस आयुक्त सतीश गोल्ला ने जमीनी स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाने और उमरते खतरों की पहचान करने के लिए राजधानी के प्रत्येक पुलिस स्टेशन में समर्पित आतंकवाद-विरोधी इकाइयों (सीटीयू) के गठन का आदेश दिया था। इन इकाइयों को संवेदनशील स्थानों की निगरानी करने, कट्टरपंथी व्यक्तियों का पता लगाने, अस्थाई आबादी की पुष्टि करने और आतंकी गतिविधियों से जुड़े संदिग्धों, गैंगस्टरों और हवाला संचालकों पर नजर रखने का काम सौंपा गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई लंबे समय से चल रही जांच और खुफिया सूचनाओं के आधार पर की गई। मॉड्यूल की गतिविधियों पर कुछ समय से नजर रखी जा रही थी, जिसके बाद समन्वित अभियान चलाकर इसके सदस्यों को गिरफ्तार किया गया।

मीड वाले इलाकों पर हमले की साजिश

पुलिस पूछताछ में पता चला है कि संदिग्ध आरोपी पावर प्लांट, न्यूक्लियर प्लांट, बिजली घर, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशनों को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। इनमें ज्यादातर वह गंगहैं हैं, जहां बड़ी संख्या में मीड होती है। पाकिस्तान से भेजा गया विस्फोटक भी बरामद कर लिया गया है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी अंडरवर्ल्ड की मदद से देश को दहलाने की खतरनाक साजिश रच रही थी।

बाजार से विदेशी निवेशकों का मोहमंग? सिर्फ मई में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 32,963 करोड़ रुपए

एजेसी » | नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार तीसरे महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार से हजारों करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। नेशनल सिक्वोरिटीज डिर्भाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई 2026 में भारतीय शेयर बाजार से 32,963 करोड़ रुपए की भारी-भरकम



निकासी की है। इसके असर से इस वर्ष में अब तक संसेक्स में 12.5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है। यह 86100 के ऊपरी स्तरों से फिसलकर 74,775 के स्तर तक पहुंच गया है। इस दौरान निफ्टी में भी करीब 10 से 11 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह अपने उच्चतम स्तर 26,373.20 से धड़ाम होकर 25,500 के स्तर पर पहुंच गया है।

मलप्पुरम में अवैध विस्फोटक बरामदगी मामला 3 राज्यों में 19 जगहों पर एनआईए की छापेमारी, नेटवर्क और कनेक्शन खंगाले

एजेसी » | कोच्चि

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को केरलम, कर्नाटक और तमिलनाडु में 19 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई केरलम के मलप्पुरम जिले में अवैध विस्फोटक बरामदगी मामले की जांच के तहत की गई। एजेंसी ने विस्फोटकों के सोर्स, सप्लाय चैन और इससे जुड़े संभावित नेटवर्क का पता लगा रही है। एनआईए ने केरलम में मलप्पुरम जिले के तिरुंगुडी में एनआईए ने वेयरहाउस और बंदूक के पुथियाथुकुन्नू में लॉरी मालिक के घर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला मलप्पुरम का है। 7 फरवरी 2026 को पुलिस ने चेम्माड (मलप्पुरम) में प्याज से लदे एक ट्रक से 448 बक्सों में छिपाई गई 89,600 जिलेटिन की छड़ें और 10,500 डेटोनेटर बरामद किए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने इसके संभावित दुरुपयोग और सुरक्षा जोखिमों को लेकर चिंता जताई थी।



पुथियाथुकुन्नू में लॉरी मालिक के घर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला मलप्पुरम का है। 7 फरवरी 2026 को पुलिस ने चेम्माड (मलप्पुरम) में प्याज से लदे एक ट्रक से 448 बक्सों में छिपाई गई 89,600 जिलेटिन की छड़ें और 10,500 डेटोनेटर बरामद किए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने इसके संभावित दुरुपयोग और सुरक्षा जोखिमों को लेकर चिंता जताई थी।

दोनों देशों के रिश्ते मजबूत होंगे

इस अवसर पर बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पौष्टिक नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत और म्यांमार के बीच सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, बौद्ध विरासत तथा पारस्परिक विकास के संबंध लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति की यह यात्रा दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत बनाएगी।

यात्रा साझा बौद्ध विरासत का प्रतीक

विदेश मंत्रालय ने इसे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव का परिचायक बताया। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लिखा कि यह यात्रा भारत और म्यांमार के बीच गहरे आध्यात्मिक और स्मरतागत संबंधों को दर्शाती है। दोनों देशों के रिश्ते साझा बौद्ध विरासत पर आधारित हैं, जिसने पाँदियों से दोनों देशों के लोगों को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से जोड़े रखा है।

महात्मा बुद्ध के शिष्यों के अस्थि अवशेष दिल्ली से मंगोलिया पहुंचे

गजराज ने निर्माई अहम भूमिका



नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना ने बड़े विमान ‘गजराज’ ने एक अहम मिशन को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाई है। भारतीय वायुसेना का बड़ा विमान ‘गजराज’ शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र अवशेषों को दिल्ली से मंगोलिया ले जाने के मिशन में शामिल रहा। यह मिशन सांस्कृतिक कूटनीति और भारत की स्मरतागत विरासत के वैश्विक प्रसार का प्रतीक माना जा रहा है। बौद्ध धर्म में भगवान बुद्ध के अवशेषों को ज्ञान, करुणा और मोक्ष के प्रतीक के रूप में अत्यंत श्रद्धा से देखा जाता है। मंगोलिया में इन अवशेषों का प्रदर्शन दोनों देशों के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करता है। ‘गजराज’ भारतीय वायुसेना का प्रमुख भारी भरकम परिवहन विमान है और इसे आईएल-76एमडी नाम से भी जाना जाता है। महात्मा बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों अरहत सारिपुत्र और अरहत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेष हैं। इन अवशेषों को मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में 9 जून तक प्रदर्शित किया जाएगा। ये अवशेष सुनहरे धिक् धरोहर स्थल यांघी स्तूप से जुड़े हैं, जिसे बौद्ध धर्म के सबसे पुरानीय केंद्रों में से एक माना जाता है।

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी का बड़ा बयान ‘ऑपरेशन सिंदूर’ अभी जारी जरूरत पड़ी तो 2.0 के लिए रेडी



जनरल उपेंद्र द्विवेदी

एजेसी » | पुणे

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेनाएं किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो तीनों सेनाएं ‘ऑपरेशन सिंदूर 2.0’ करने के लिए भी तैयार हैं। पुणे के खडकवासला स्थित नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) के 150वें कोर्स की पारिंग आउट परेड के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में जनरल द्विवेदी ने कहा कि फिलहाल शत्रुता पर अस्थायी विराम है, लेकिन सेना पूरी सतर्कता के साथ तैयारियों में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारा फोकस तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और भविष्य के युद्धों के लिए खुद को तैयार करने पर है। सेना प्रमुख ने कहा कि युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और भविष्य के संघर्ष केवल थल, जल और वायु तक सीमित नहीं रहेंगे। भविष्य के युद्धों में अंतरिक्ष, साइबर और सूचना युद्ध जैसी नई चुनौतियां बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

विजय हमेशा दिमाग में हासिल होती है

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि विजय हमेशा दिमाग में हासिल होती है, जमीन पर नहीं। सूचना युद्ध तभी सफल होता है जब पूरा देश एकजुट हो और सही सूचना देने वाले संस्थानों पर भरोसा करे। जिस राष्ट्र के नागरिक एक-दूसरे और अपने संस्थानों पर विश्वास करते हैं, वह युद्ध में हमेशा विजयी होता है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित किया है कि भारत जरूरत पड़ने पर सटीक, संतुलित और निष्पक्षिक जवाब देने में सक्षम है। जब राष्ट्र की इच्छाशक्ति सटीकता और दृढ़ संकल्प के साथ व्यक्त होती है, तो भारत उसकावे का जवाब किस तरह देता है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने देश की सैन्य प्रतिक्रिया का नया मानक स्थापित किया है और अब इस मानक को बनाए रखने की जिम्मेदारी युवा सैन्य अधिकारियों की होगी। परेड को संबोधित करते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि आज की दुनिया में सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बदल रही हैं। खतरें अब हमेशा वही पहचानता या किसी घोषित मोर्चे से नहीं आते। विवादित ग्रे-जोन से लेकर तेज रफ्तार हाइब्रिड युद्ध तक, मौजूदा सुरक्षा वातावरण में सैनिकों को त्वरित और रणनीतिक सोच के साथ कार्य करना होगा।

कंधे से कंधा मिलाकर देश की सेवा करनी होगी

उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाई गई तीनों सेनाओं की समन्वित और एकजुट प्रतिक्रिया उसी संयुक्तता का परिणाम थी, जिसकी नींव एनडीए में पहले दिन से रखी जाती है। उन्होंने कैडेट्स से कहा कि भविष्य में वाहे वे किसी भी सैन्य सेवा में जाएं, उन्हें फिर से कंधे से कंधा मिलाकर देश की सेवा करनी होगी। द्विवेदी ने कहा है कि भविष्य के युद्धों को देखते हुए भारतीय सशस्त्र बलों के हर सैनिक के पास ज्ञान संग्रहित करने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सेना इस दिशा में लगातार काम कर रही है और जवानों को ड्रोन, सिग्नलिंग व ड्रोन-रोधी तकनीकों का व्यापक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि आधुनिक युद्ध में ज्ञान की भूमिका तेजी से बढ़ी है और सेना अपने सैनिकों को इस नई चुनौती के लिए तैयार कर रही है।

दुनिया के मंच पर दिखा भारत का दम

अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- भारत ‘महाशक्ति’ हिंद महासागर में ताकत का संतुलन बना रहा

एजेसी » | सिंगापुर

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सिंगापुर में कहा कि भारत एक ताकतवर देश है और अपनी सेना को आधुनिक बना रहा है। भारत खासतौर पर हिंद महासागर में ताकत का संतुलन बनाए रखने में मदद कर रहा है। सिंगापुर में हर साल एक बड़ी सुरक्षा बैठक होती है जिसे शांगरी-ला संवाद कहते हैं। इसमें दुनियाभर के रक्षा मंत्री और सेना के बड़े अधिकारी आते हैं। इस साल 44 देश इसमें शामिल हुए। शनिवार को अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यहां भाषण दिया।



फूड रेटिंग प्लेटफॉर्म टेस्टएटलस ने जारी की विश्व की 100 चायों की सूची

दुनिया पर छाई भारत की ‘मसाला चाय’, पहले पायदान पर

एजेसी » | नई दिल्ली

हमारे देश में अधिकतर लोगों की शुरुआत चाय से होती है, हालांकि सिर्फ भारत में ही नहीं विदेश में भी लोग चाय के दीवाने हैं। हालांकि अब दुनिया की वो बात मान गई है जो हम सालों से जानते थे, यहीं की मसाला चाय दुनिया की सबसे बेहतरीन चाय है। हाल ही में प्रसिद्ध फूड रेटिंग प्लेटफॉर्म टेस्टएटलस ने दुनिया भर की 100 बेस्ट चाय की सूची जारी की है, जिसमें भारतीय मसाला चाय को पहला स्थान मिला है। यह खबर पूरे देश के लिए गर्व की बात है। हम में से काफी लोग मसाला चाय पीना पसंद करते हैं, ये सिर्फ एक ट्रेंड नहीं, बल्कि भावनाओं का मिश्रण है। मसाला चाय में अदरक, इलायची, दालचीनी, लौंग और काली मिर्च का मिश्रण होता है।

» **मसाला चाय में अदरक इलायची, दालचीनी लौंग और काली मिर्च का मिश्रण होता है**



भारतीय मेहमान नवाजी का बड़ा हिस्सा मसाला चाय सिर्फ एक ड्रिंक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और मेहमाननवाजी का बड़ा हिस्सा है। ये हमारे रिवाज, बातचीत शुरू करने का तरीका, काम के बीच ब्रेक, रेलवे स्टेशन का साथी और कभी-कभी मुफ्त थैरेपी भी है। सूची को देखकर पता चलता है कि भारती की चाय को लोग कितना पसंद करते हैं। कहीं मसालेदार मसाला चाय, कहीं फूलों जैसी सुशुभ वाली दार्जिलिंग, कहीं मजबूत असम चाय, तो कहीं नमकीन गुलाबी नून चाय ने सभी के दिलों में जगह बनाई।

100 में से 6 भारतीय चायों का जलवा

- » नंबर 01 पर - मसाला चाय
- » नंबर 06 पर - दार्जिलिंग चाय
- » नंबर 13 पर - असम चाय
- » नंबर 39 पर - सुलेमानी चाय (केरल)
- » नंबर 41 पर - कांगड़ा टी (हिमाचल प्रदेश)
- » नंबर 43 पर - नून चाय (जम्मू-कश्मीर)

दुनिया की अन्य खास चाय

- » नंबर 02 पर - होजिका (जापान)
- » नंबर 03 पर - सीलोन ब्लैक टी (श्रीलंका)
- » नंबर 04 पर - सेंचा (जापान)
- » नंबर 05 पर - पुएरह टी (चीन)

भारत-अमेरिका मिलकर सैन्य हथियार और उपकरण बनाएंगे

पीट हेगसेथ ने कहा कि भारत बड़ी और भारी सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी पैक्ट्री और सप्लाय की व्यवस्था तैयार कर रहा है। अमेरिका ने भारत के साथ मिलकर हथियार और सैन्य उपकरण बनाने का वादा किया है। इस को-प्रोडक्शन कहते हैं यानी दोनों देश साथ मिलकर बनाएंगे।

शुजन्ता®

AJANTA

FOOD COLOR

fssai ISO 22022 ISO 9001:2015

ESTD. 1949

Food Color Preparation Baking Powder, Custard Powder, Drinking Chocolate & Flavours

www.ajantafoodproducts.com



‘राख’ में पुलिस वर्दी में रौब जमाएंगे अली फजल

मुंबई। अली फजल की फिल्म ‘मिर्जापुर: द मूवी’ का इंतजार लोग बेसब्री से कर रहे हैं। इससे पहले अभिनेता अपनी नई सीरीज ‘राख’ के जरिए दर्शकों को तोहफा देने आ रहे हैं, जिसमें सोनाली बेंद्रे भी हैं। इसका निर्देशन प्रोसित रॉय ने किया है, जिन्हें ‘पाताल लोक’ जैसी चर्चित सीरीज के लिए जाना जाता है। लेखन

व सह-निर्देशन अनुभा नंदकुमार और संदीप साकेत ने मिलकर किया है। ‘राख’ के पोस्टर में अली पुलिस की वर्दी पहने जांच अधिकारी के किरदार में नजर आ रहे हैं। इसकी कहानी भी उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है जो 2 लापता किशोरों की तलाश में जुटा हुआ है। इस घटना ने पूरे शहर में दहशत फैला दी है।

लाइफ Style

कियारा आडवाणी फिल्म ‘टॉक्सिक’ में नजर आएंगी। उनका कहना है कि इस फिल्म ने प्यार को देखने के उनके निजी नजरिए को ही बदल दिया है। इस फिल्म में कियारा ‘नादिया’ नाम का एक किरदार निभा रही हैं, जो आजाद खयालों वाली और किसी पर निर्भर न रहने वाली लड़की है।

कियारा

‘टॉक्सिक’ ने जिंदगी में किए ये खास बदलाव

एजेन्सी ►► मुंबई

कियारा ने बताया, ‘टॉक्सिक’ के साथ मुझे लगता है कि यह लड़का-लड़की के रिश्तों को देखने का हमारा तरीका ही बदल देता है। सच कहूँ तो, जब गीतू मोहनदास ने मुझे इसकी कहानी सुनाई, तब मुझे यह समझने में थोड़ा वक़्त लगा कि ठीक है, यह भी सामान्य है। भले ही यह शायद सीधा-सरल न हो, या हमारे पारंपरिक सोच से हटकर हो, लेकिन प्यार में भी एक खास तरह की आजादी होती है।’ यह कहानी रिश्तों को ऐसे दिखाती है, जो हमेशा सही या गलत के दायरे में नहीं आते, फिर भी उनमें एक तरह की मुक्ति का अहसास होता है। ‘टॉक्सिक’ की शूटिंग करना कियारा के लिए आसान नहीं था। उन्हें हर सीन को दो बार शूट करना पड़ा था, एक बार अंग्रेजी में और एक बार कन्नड़ में। कियारा को हर रात नए संवाद याद करने पड़ते थे, जिससे यह काम काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता था। इस फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वासंथ जैसे सितारे भी हैं। हालांकि, फिल्म की रिलीज (जो पहले 4 जून को होने वाली थी) कई बार टल चुकी है, फिर भी कियारा को भरोसा है कि वह जल्द ही दर्शकों के साथ प्यार के इस अनोखे नजारे को साझा कर पाएंगी।



हॉलीवुड मसाला



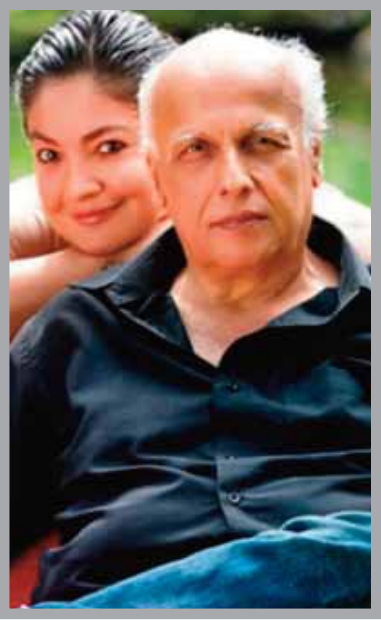
टॉय स्टोरी-5 रिलीज होगी 19 जून को

लॉस एंजिल्स। ‘टॉय स्टोरी 5’ 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है और उम्मीद है कि यह अब तक की सबसे भावुक फिल्म होगी। वुडी का किरदार निभाने वाले टॉम हंक्स ने लंदन में फिल्म के लॉन्च के दौरान बताया कि एक ऐसा सीन है, जिसमें एक छोटी लड़की को बुरे मैसेज मिलने पर चोट पहुंचती है और यह सीन इस पूरी सीरीज के सबसे ज्यादा भावुक पलों में से एक है। फिल्म की कहानी करती है इस चीज की पड़ताल इस बार कहानी गहराई से पड़ताल करती है कि तकनीक बच्चों को कैसे प्रभावित करती है।



‘टैट्स फिके डेजर्ट रेस’ पर ला रहे हैं तूफानी फिल्म...

लॉस एंजिल्स। क्रिस हेम्सवर्थ जल्द ही एक नई फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म ऑस्ट्रेलिया की एक बेहद मशहूर और मुश्किल मोटरस्पोर्ट प्रतियोगिता टैट्स फिके डेजर्ट रेस पर आधारित होगी। इस फिल्म को ‘वाइल्ड स्टेट प्रोडक्शंस’ बना रही है, जिसकी शुरुआत क्रिस ने अपने दोस्त बेन वीसन के साथ मिलकर की थी। फिल्म ऑस्ट्रेलिया के नॉर्वॉन टेरिटरी में होने वाली इस दो दिवसीय ऑफ-रोड रेस के जबरदस्त रोमांच को दर्शकों तक पहुंचाएगी। फिके डेजर्ट रेस बेहद खतरनाक और मुश्किल मानी जाती है। यह कमजोर दिल वालों के लिए बिल्कुल नहीं है। क्रिस का ऑफ-रोड रेसिंग से गहरा जुड़ाव रहा है और वह इस एड्रेंनालिन से भरे अनुभव को दुनिया भर के दर्शकों के साथ बांटना चाहते हैं।



पिता के संदेश ने छुड़वाई शराब की लत...

मुंबई। पूजा भट्ट ने हाल ही में बताया कि साल 2014 में उनकी शादी के एक मुश्किल दौर में शराब के साथ उनका संघर्ष शुरू हुआ था, लेकिन असली बदलाव दिसंबर, 2016 में आया। तब उनके पिता महेश भट्ट ने उन्हें एक बहुत ही सीधा और असरदार संदेश भेजते हुए लिखा था, ‘अगर तुम मुझसे प्यार करती हो, तो खुद से प्यार करना सीखो, क्योंकि मैं तुममें रहता हूँ।’ इसी संदेश के बाद पूजा ने हमेशा के लिए शराब छोड़ दी और खुद से प्यार करने पर ध्यान देना शुरू किया। पूजा शराब छोड़ने की सालगिरह को खुद की देखभाल के रूप में ही मनाती है। उस दिन से पूजा ने शराब पीना छोड़ दिया है और वह हर सालगिरह को आत्म-देखभाल के उत्सव के तौर पर मनाती हैं। वह बताती हैं कि दोस्तों का दबाव झेलना पड़ा, खासकर जन्मदिन और सालगिरह पर।



देव पटेल ने पूरी की द पीजेंट की शूटिंग

मुंबई। देव पटेल ने अपनी हालिया फिल्म ‘द पीजेंट’ की शूटिंग पूरी कर ली है। इस प्रोजेक्ट में वे निर्देशन के साथ-साथ मुख्य भूमिका भी निभा रहे हैं। 14वीं सदी के बदले की यह कहानी ए24 प्रोडक्शन हाउस की पहली ऐसी फिल्म है, जिसकी शूटिंग भारत में हुई है। इसे महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान जैसे कई राज्यों में फिल्माया गया है। साल 2024 में आई उनकी फिल्म ‘मंकी मैन’ के बाद यह देव का दूसरा निर्देशन है। ‘द पीजेंट’ को देव और विल डन ने मिलकर लिखा है। यह कहानी एक ऐसे चरवाहे की है, जो अपने गांव को तबाह करने वाले भाड़े के सैनिकों से बदला लेना चाहता है। इसमें आपको ‘ब्रेवहाट’, ‘जॉन विक’ और ‘किंग आर्थर’ जैसी फिल्मों का मिला-जुला अंदाज दिखेगा।

टीवी मसाला



नागिन 7 में इंतकाम की रात ड्रैगन का खात्मा करेंगी 3 नागिन

मुंबई। नागिन फ्रेंचाइजी के फैंस की एक्साइटमेंट पीक पर है। सीजन 7 क्लाइमैक्स की ओर है। 7 जून को शो ऑफिशियर होगा। इससे पहले टीवी क्वीन एकता कपूर ने शो को लेकर बज किप्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। फिनाले से पहले नागिन 7 में देरी दिवस्ट एंड टर्न्स आ रहे हैं। धीरे-धीरे नागलोक के सभी राज खुल रहे हैं। नया प्रेमो सामने आया है जिसमें धमाकेदार फिनाले की झलक दिखी है।

तीन नागिन एक साथ आएंगी इंतकाम लेने : अगले माह 6-7 जून को नागिन सीजन 7 का महाएपिसोड आएगा. नागिन अन्ता और ड्रैगन राधिका के बीच छिड़े संग्राम ने पूरे नागलोक पर कहर बरपा रखा है। 6-7 जून कयामत की रात होगी। ड्रैगन से निपटने के लिए एक साथ तीन नागिन आएंगी और इंतकाम लेंगी। अनीता हसनबानी, तेजस्वी प्रकाश और प्रियंका वाहर चौधरी मिलकर ड्रैगन पर आखिर वार करेंगी। ये प्रेमो देखकर फैंस एपिसोड देखने को बताव हैं। अनीता और तेजस्वी की एंट्री के साथ फिनाले एपिसोड नोस्टैलजिक फील देने वाला है।

अन्ता की लौट चुकी है याददाश्त : शो में अन्ता की याददाश्त लौट चुकी है। उसे राधिका की सच्चाई पता चल गई है कि वो ड्रैगन है जो कि नागिनों का सबसे बड़ा दुश्मन है। अन्ता को देश बचाना है, सूरी परिवार से अपनों की मौत का बदला लेना है, अन्त कुल को श्राप से मुक्त करना है और राधिका से नागमणि वापस लेनी है। आने वाले एपिसोड में अन्ता के सामने खुलासा होगा कि राधिका उसकी सगी बहन है। ड्रैगन और नागिन की मिडत होगी। गुप्त नाग मंदिर में रखा निस्ट्री स्टैच्यू आखिर किसका है, इसका जवाब मिलेगा।

शो पहले दिन से ही है सुर्खियों में : शो पहले दिन से सुर्खियों में है। अन्ता के रोल में प्रियंका वाहर चौधरी ने दमदार काम किया है। वो लोगों को इतनी फेवरेट बन चुकी हैं कि नेक्स्ट सीजन में भी जनता की उन्हें ही कास्ट करने की डिमांड है। नमिक पॉल संग उनका कैमिस्ट्री शानदार लगी है। वहीं कनिका मान ने राधिका (ड्रैगन) के रोल में प्रियंका को कड़ी टक्कर दी है।

7 जून को है एकता कपूर का जन्मदिन

शो का आखिरी टेलीकास्ट 7 जून को खास मकसद से रखा गया है. इस दिन एकता कपूर का जन्मदिन है। फिनाले से पहले नागिन 7 के एक्टर्स सोशल मीडिया पर बिहाइंड द सीन शेयर कर बज बना रहे हैं। सबकी नजरें क्लाइमैक्स पर टिकी हैं।

रजनीकांत की ‘जेलर 2’ में शाहरुख की जगह ले सकते हैं ऋतिक रोशन

मुंबई। रजनीकांत की फिल्म ‘जेलर 2’ इस साल के आखिर में रिलीज होने के लिए तैयार है। पहले खबर थी कि इसमें शाहरुख खान का कैमियो होगा, लेकिन फिर जानकारी आई कि अपनी फिल्म ‘किंग’ की व्यस्तता के चलते उन्होंने ‘जेलर 2’ से किनारा कर लिया है। इस खबर ने बेशक फैंस का दिल तोड़ दिया, जो रजनीकांत और शाहरुख को एक साथ स्क्रीन पर देखना चाहते थे। अब खबर है कि शाहरुख की जगह एक दूसरा कलाकार ले सकता है।

ऋतिक से किया गया है संपर्क

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख के फिल्म से पीछे हटने के बाद, निर्माताओं ने कैमियो के लिए ऋतिक रोशन से संपर्क किया है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो यह दूसरा मौका होगा, जब ऋतिक को रजनीकांत के साथ फिल्म में देखा जाएगा। इससे पहले दोनों ने ‘भगवान दादा’ (1986) में साथ काम किया था। दिलचस्प बात यह है कि उस वक़्त ऋतिक महज 12 साल के थे और उन्होंने रजनीकांत के बेटे, गोविंदा दादा का किरदार निभाया था।

‘जेलर 2’ में दिखाई देंगे ये सितारे

‘जेलर 2’ का पहला भाग साल 2023 में आया था, जो ब्लॉकबस्टर रहा। अब

अभिनेता सैतविल के साथ वापसी कर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान एक बार फिर नेल्सन दिलीप कुमार ने संभाली है। फिल्मफेयर के मुताबिक, निर्माता 11

सितंबर को इसे रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। रजनीकांत के अलावा, ‘जेलर 2’ में विद्या बालन और मिथुन चक्रवर्ती भी नजर आएंगे। वहीं मोहनलाल और शिव राजकुमार को कैमियो करते हुए देखा जाएगा।

मुख्यमंत्री विजय थलापति के बेटे जेसनकी पहली निर्देशित फिल्म ‘सिग्मा’ को मिली रिलीज तारीख

मुंबई। तमिलनाडु के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री थलापति विजय (सी जे.जे. विजय) के बेटे जेसन संजय चर्चा में हैं। उनकी पहली निर्देशित फिल्म ‘सिग्मा’ को रिलीज तारीख मिल गई है, जिसका आधिकारिक तौर पर ऐलान हो गया है। संदीप किरान अभिनीत इस फिल्म के जरिए जेसन निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक के बेटे होने के नाते, जेसन की फिल्म पर हर किसी की नजरें टिकी हैं।

जुलाई में सिनेमाघरों में दस्तक देगी

निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान करते हुए लिखा, ‘एक बड़ी जोशिम भरी डेकूती शुरू होती है। सिग्मा 31 जुलाई को सिनेमाघरों में धूम मचाने आ रही है। अंतिम खोज



रोमांचक मिशन पर आधारित होगी फिल्म

‘सिग्मा’ को जेसन ने लिखा और निर्देशित किया है, जिसे एक्शन-एडवेंचर कॉमेडी के रूप में वर्णित किया जा रहा है। फिल्म में चोरी के तत्व भी शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, कहानी एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है जो समाज की अपेक्षाओं को धता बताते हुए छिपे हुए खजानों की खोज में निकल पड़ता है। फिल्म में संदीप के अलावा, फरिया अब्दुल्ला, राजू सुंदरम, अंबु थासन, मंगलक्ष्मी सुदर्शनन, योग जापी और संपत राज जैसे सितारे नजर आएंगे।

के लिए तैयार हो जाएगा। इस ऐलान के बाद से प्रशंसकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। जुबास्करण द्वारा लाइका प्रोडक्शंस बैनर के

तहत निर्मित यह फिल्म फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में है। निर्माता जल्द ही इसे सेंसर कमेटी के पास भेजेंगे।

पांच साल बाद लौटी स्पाइडर-मैन की दुनिया

मुंबई। टॉम हॉलैंड, ‘स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे’ में पीटर पार्कर के रूप में वापसी कर रहे हैं, जो लगभग 5 साल बाद पर्दे पर आ रही है। टॉम ने बताया कि उन्होंने फिल्म की कहानी गढ़ने में मदद की थी और इसके लिए ‘स्पाइडर-न्यूवर्दी’ का विचार रखा था। इस विचार में पीटर के जीवन में आने वाले बदलावों और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण खोने की मुश्किलों को दिखाया जाना था। हालांकि, यह टैंगलाइन फिल्म में इस्तेमाल नहीं हुई, लेकिन इसका विषय फिल्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। यह फिल्म 31 जुलाई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में एक साथ 6 भाषाओं में रिलीज होगी, जिनमें अंग्रेजी और हिंदी भी शामिल हैं।

निर्देशन किया डेस्टिन क्रेडन ने

टॉम का कहना है कि वह देखना चाहेंगे कि भविष्य में माइल्स मौरालेस या स्पाइडर-व्हेन स्पाइडर-मैन की कमान संभालें, ठीक वैसे ही जैसे आयरन मैन ने नए नायकों का मार्गदर्शन किया था। इस फिल्म का निर्देशन डेस्टिन डैनियल क्रेडन ने किया है और इसमें जेंडया, जैकब बटलॉन, सैडी सिंक, जॉन बर्थल और मार्क रफालो जैसे कलाकार भी हैं।

मुंबई। डेविड धवन द्वारा निर्देशित यह एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए वरुण अपने कॉमिक अंदाज में लौट रहे हैं। दर्शक भी फिल्म से काफी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। खैर फिल्म आने में समय है, इसलिए वरुण की पिछली कमाऊ फिल्मों को ओटीटी पर देखने का बिल्कुल सही समय है।

‘बॉर्डर 2’

1997 में आई सनी देओल की सुपरहिट फिल्म ‘बॉर्डर’ का रीवजनल वर्शन, 2026 में रिलीज हुआ था। इसमें सनी के अलावा, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी और वरुण भी मुख्य किरदार में हैं। वरुण ने परमवीर चक्र से सम्मानित युद्ध नायक ‘मेजर होशियार सिंह दहिया’ का किरदार निभाया है। रिलीज से पहले अभिनेता को उनके अभिनय के लिए काफी ट्रोल किया गया था, लेकिन बाद में उन्होंने जनता का दिल जीत लिया। इसने दुनियाभर में करीब 482 करोड़ रुपये कमाए थे।

‘जुड़ावां 2’ और ‘कुली नंबर 1’

2017 में आई फिल्म ‘जुड़ावां 2’ में वरुण को जैकलिन फर्नांडिस और तापसी पन्नू के साथ इश्क लड़ाते हुए देखा गया था। यह अभिनेता के करियर की सबसे



सफल फिल्मों में से एक है, जिसमें रोमांस के साथ कॉमेडी भी बेशुमार है। फिल्म ने करीब 227.59 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं ‘कुली नंबर 1’ में वरुण के साथ सारा अली खान नजर आई हैं। इसमें भी अभिनेता का कुल और कॉमिक अंदाज दिखा है। इसने 182 करोड़ रुपये कमाए थे।

‘बद्रीनाथ की दुल्हनिया’ और ‘एबीसीडी 2’

आलिया भट्ट के साथ आई फिल्म ‘बद्रीनाथ की दुल्हनिया’ ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 200.45 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया था। इसमें वरुण और आलिया की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आई थी। इसके गाने भी काफी लोकप्रिय हैं। दूसरी ओर, रेमो डिस्जूजा की फिल्म ‘एबीसीडी 2’ में वरुण ने अपने अभिनय और डांस कोशल से हर किसी को हैरान कर दिया था। उनके साथ श्रद्धा कपूर मुख्य किरदार में हैं। इसने करीब 161.49 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

- नगर निगम को तत्काल एवं प्रभावी कदम उठाने के निर्देश

- मांगी विस्तृत रिपोर्ट



जबलपुर। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने जबलपुर शहर में प्रतिदिन लगभग 97.5 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) बिना उपचारित सीवेज के वर्षा जल नालों में प्रवाहित होने पर गंभीर चिंता जताई है। अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव व विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने जबलपुर नगर निगम (जेएमसी) को तत्काल एवं प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।नगर निगम तथा मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को छह सप्ताह के भीतर

शहर में प्रतिदिन 97.5 एमएलडी बिना उपचारित सीवेज मैला सीधे वर्षा जल नालों में छोड़ने पर एनजीटी सख्त

विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश देते हुए अगली सुनवाई 13 जुलाई को निर्धारित की गई है।

छह प्रमुख नालों में पहुंच रहा बिना उपचारित सीवेज का पानी

नालों के पक्कीकरण पर भारी खर्च के बावजूद कार्य अधूरा रहने और सीवेज प्रबंधन की गंभीर स्थिति पर सज्ञान लेकर हो रही सुनवाई के दौरान अधिकरण ने पाया कि जबलपुर शहर में प्रतिदिन लगभग 174 एमएलडी सीवेज उत्पन्न हो रहा है। जबकि वर्तमान में केवल 76.5 एमएलडी सीवेज का ही उपचार किया जा रहा है। शेष 97.5 एमएलडी बिना उपचारित सीवेज छोटे नालों के माध्यम से शहर के छह प्रमुख वर्षा जल नालों में पहुंच रहा है। पीठ ने स्पष्ट किया कि बिना उपचारित सीवेज को वर्षा जल नालों में छोड़ा जाना पर्यावरणीय मानकों और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के विपरीत है तथा इसे रोकने के लिए शीघ्र और ठोस कार्रवाई आवश्यक है।

बड़ा हिस्सा अभी भी सीवर नेटवर्क से नहीं जुड़ा

एनजीटी ने नगर निगम द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए पाया कि शहर का बड़ा हिस्सा अभी भी सीवर नेटवर्क से नहीं जुड़ा है। हालांकि अमृत 2.0 योजना के तहत शेष क्षेत्रों में शत-प्रतिशत सीवेरोज व्यवस्था विकसित करने के लिए परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, लेकिन इनके समयबद्ध क्रियान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया गया। नगर निगम को निर्देश दिया कि वह प्रमुख नालों के किनारे निर्माण प्रतिबंध, हरित बफर जोन, अतिक्रमण हटाने और वृक्षारोपण संबंधी राज्य सरकार की अधिसूचनाओं के अनुपालनयू का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करे।

11 प्रमुख तालाबों की जानकारी दो

पीठ ने जबलपुर के 11 प्रमुख तालाबों एवं जलाशयों के संबंध में भी महत्वपूर्ण निर्देश जारी करते हुए उनके मूल राजस्व अभिलेखों के अनुसार क्षेत्रफल, अतिक्रमण की स्थिति तथा संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) को निर्देश दिया

गया है कि वह प्रमुख नालों, संवेदनशील जलाशयों तथा उन स्थानों पर नर्मदा नदी के जल की गुणवत्ता का परीक्षण करे जहां उपचारित अथवा बिना उपचारित जल का प्रवाह पहुंचता है, और इस संबंध में पृथक रिपोर्ट प्रस्तुत करे। सुनवाई के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि ओमती, मोती, उर्दना और करोंदा नालों का प्रवाह अंततः परियट नदी, हिरण नदी और फिर नर्मदा नदी में जाकर मिलता है। इस पर चिंता व्यक्त करते हुए पीठ ने कहा कि नर्मदा नदी तंत्र को प्रदूषण से बचाने के लिए प्रभावी और समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

निगम का कहना: सभी एसटीपी चालू

जबलपुर नगर निगम ने अधिकरण को अवगत कराया कि शहर के सभी 12 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) वर्तमान में संचालित हैं। उपचारित जल के पुनः उपयोग को बढ़ाने, तृतीयक उपचार प्रणाली स्थापित करने और आगामी मानसून में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने की योजना बनाई जा रही है।

134 नागरिकों ने कराया निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

थायरॉइड जागरूकता से मिलेगी स्वास्थ्य सुरक्षा

जबलपुर। विश्व थायरॉइड सप्ताह के अवसर पर भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ, जबलपुर द्वारा राइट टाउन स्थित सभागृह कार्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं थायरॉइड जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में वरिष्ठ एंडोक्राइनोलॉजिस्ट एवं डायबिटोलॉजिस्ट डॉ. सत्येंद्र कुमार मिश्रा ने थायरॉइड, मधुमेह एवं जीवनशैली संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं पर परामर्श प्रदान किया। शिविर में टीएसएच (थायरॉइड), ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर एवं हीमोग्लोबिन की निःशुल्क जांच की गई तथा स्वास्थ्य एवं सुतुलित आहार संबंधी मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अश्वनी कुमार त्रिवेदी के मार्गदर्शन, प्रदेश संयोजक डॉ. विशाल सिंह बघेल के सेवा पखवाड़ा अभियान एवं जिला संयोजक डॉ. विवेक जैन के सहयोग से आयोजित हुआ। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शुभम अवस्थी के समन्वय में आयोजित इस शिविर में 134 से अधिक नागरिकों ने लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. सदन यादव, डॉ. सुनील बहल, डॉ. विनोद वी. तमकार, डॉ. संजय श्रीवास्तव, डॉ. अनंत त्रिवेदी, डॉ. श्रीकांत साहू, डॉ. सचिन बघुलिया, डॉ. आशुतोष पाठक सहित भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, चिकित्सक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बड़ादेव ठानों के जीर्णोद्धार के लिए ज्ञापन सौंपा

जबलपुर। अनुसूचित जनजाति सांस्कृतिक विकास भोपाल द्वारा आदिवासी देवठाना योजना के अंतर्गत देवालय, पेनठानों का जीर्णोद्धार कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत आदिवासी संगठन ब्लाक पाटन में ग्राम पंचायत उड़ना करैहया, ग्राम जमुनिया, रमपुरा, रियाना, पड़रिया जमुनिया, मेढ़ी झामर में बड़ा देवठााना निर्मित है जो कि वर्तमान में जीर्ण क्षीर्ण अवस्था में है। उक्त सभी देवठानों का निरीक्षण कर जीर्णोद्धार करने हेतु माँगों का ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा। इस अवसर पर संगठन के ठाकुर पप्पू सिंह करपेती, अध्यक्ष लाल सिंह कुलस्ते, शंकर सिंह मरकाम, लक्ष्मण सिंह कुलस्ते, अर्जुन सिंह पंदरू, सुशील पोतै, शिवम सिंह सरूता, राम सिंह ठाकुर, अरविन्द धुर्वे, शुक्रत सिंह, मनोहर सिंह नीमी, राजाराम धुर्वे, सोने ठाकुर, चूनीलाल, पंचम ठाकुर, गंदालाल, बेड़ीलाल, इन्द्र कुमार कुलस्ते, घनश्याम यादव आदि उपस्थित थे।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा आज

जबलपुर। जबलपुर हरे कृष्ण आश्रम भेड़ाघाट से प्रत्येक पूर्णिमा को किकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा जेठ पूर्णिमा पर 31 मई रविवार प्रातः 4 बजे से 9 बजे तक किकाली जाएगी, 12 बजे से नाव बंद की जाएगी। यह परिक्रमा सैकड़ों वर्षों से चल रही है, परिक्रमा आश्रम से प्रारंभ होकर पंचवटी, 64 योगिनी, धुआंधार, कल्याण तपोवन, लम्हेटाघाट नाव पार करके शनि मंदिर, झमलिया, न्यू भेड़ाघाट, सिद्धन माता जी के सामने से नाव पार करके हरे कृष्ण आश्रम में विशाल भंडारे के साथ संपन्न होगी। वहां पर आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दासजी महाराज ब्रह्मनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण करेंगे, नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा महाकुंभ 24 नवंबर मंगलवार कार्तिक पूर्णिमा पर होगा। उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ. सुधीर अग्रवाल, संरक्षक श्रीमती सुषमा शंकर पटेल, सह संकीर्तनाचार्य श्याम मनोहर पटेल, विनोद दीवान, संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा आदि ने की है।

श्रीमद्भागवत कथा से होता है भक्ति, मोक्ष एवं सद्गति का मार्ग प्रशस्त : कृष्णप्रिया दीदी

जबलपुर। पुरुषोत्तम मास के अवसर पर गढ़ाफाटक स्थित जगदीश मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा बालव्यास दीदी सुश्री सुप्रिया जी (कृष्णप्रिया), श्रीधाम वृंदावन ने भगवान के वामन अवतार, कपिल देव उपदेश, ध्रुव चरित्र एवं प्रह्लाद चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन में भक्ति, मोक्ष एवं सद्गति का सुगम मार्ग प्रशस्त करती है। कथा प्रारंभ से पूर्व मुख्य यजमान उमाशंकर साहू-यशोदा साहू, सावित्री रैक्वार, अभिषेक सोनी एवं सुनील साहू ने व्यासपीठ का पूजन-अर्चन किया। कथा मार्गदर्शक डॉ. अरुण मिश्रा, आचार्य विकास त्रिपाठी एवं सुनील दुबे ने बताया कि कथा प्रतिदिन शाम 5 से 8 बजे तक आयोजित की जा रही है तथा 5 जून को हवन, कन्या पूजन एवं भंडारे के साथ इसका समापन होगा। इस अवसर पर उत्तर-मध्य क्षेत्र के पूर्व विधायक विनय सक्सेना ने व्यासपीठ का

पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। डॉ. अरुण मिश्रा ने उनका श्रीफल एवं शाल भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में मंदिर के पुजारी पं. देवेन्द्र त्रिपाठी सहित अंकुर दुबे, नारायण शर्मा-शिखा शर्मा, विकास पाण्डेय, सत्येंद्र शर्मा, सत्येंद्र अग्रवाल, अरुण तिवारी, अमित-सोनल मिश्रा, देवसिंह उड़के, यदुवंश मिश्रा, अमित दुबे, डी.के. महाराज तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इफको के उप महाप्रबंधक राजेश कुमार मिश्रा सेवानिवृत्त

जबलपुर। भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) के उप महाप्रबंधक (विपणन) राजेश कुमार मिश्रा 31 मई 2026 को लगभग 38 वर्षों की गौरवपूर्ण सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए। श्री मिश्रा ने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर अंतर्गत कृषि महाविद्यालय रीवा से वर्ष 1989 में एग्रीनॉमी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। इसके पश्चात उन्होंने वर्ष 1989 में देश की अग्रणी उर्वरक निर्माता संस्था इफको में कृषि स्नाक प्रशिक्षु के रूप में अपने सेवाकाल की शुरुआत की। अपने लंबे सेवाकाल के दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में कार्य करते हुए किसानों, सहकारी संस्थाओं एवं कृषि क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपनी कार्यकुशलता, समर्पण एवं उत्कृष्ट सेवाओं के बल पर उन्होंने संगठन में प्रगतिशील पदोन्नति प्राप्त करते हुए उप महाप्रबंधक (विपणन) पद तक का सफल सफर तय किया।

एक्शन मोड में जेडीए अध्यक्ष, सिविक सेंटर होगा सुव्यवस्थित; जल्द शुरू होगा कैफेटेरिया

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के अध्यक्ष संदीप जैन ने सिविक सेंटर क्षेत्र एवं बंद पड़े केफेटेरिया का निरीक्षण कर क्षेत्र को सुव्यवस्थित बनाने और केफेटेरिया का संचालन शीघ्र पुनः प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी दीपक वैध, कार्यपालन यंत्री संजय खरे एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अध्यक्ष संदीप जैन ने कहा कि सिविक सेंटर शहर का प्रमुख व्यावसायिक एवं प्रशासनिक केंद्र है, जहां जेडीए मुख्यालय सहित कई महत्वपूर्ण संस्थान स्थित हैं। नागरिकों की सुविधा, सुगम

आवागमन, बेहतर यातायात प्रबंधन एवं पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से क्षेत्र का निरीक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि लगभग

2.5 एकड़ क्षेत्र में निर्मित केफेटेरिया पिछले कुछ समय से बंद है, जिसे सुनियोजित तरीके से पुनः शुरू करने की कार्ययोजना

तैयार की जाएगी। वहीं जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी ने कहा कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास और नागरिक सुविधाओं का विस्तार प्राधिकरण की प्राथमिकता है। जेडीए अध्यक्ष ने सिविक सेंटर के व्यापारियों से भी आवागमन, पार्किंग, स्वच्छता एवं अतिक्रमण संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव आमंत्रित किए हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारी सात दिनों के भीतर अपने सुझाव लिखित रूप में जेडीए कार्यालय में जमा कर सकते हैं, ताकि जनभागीदारी से सिविक सेंटर को अधिक सुंदर एवं व्यवस्थित बनाया जा सके।

दिव्यांग विद्यार्थियों को कीबोर्ड एवं ओटीजी का किया वितरण, डिजिटल शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सलेंस, शासकीय महाकोशल कॉलेज के दिव्यांग प्रकोष्ठ द्वारा संचालित स्टिकर डेवलपमेंट रिसोर्स सेंटर में चल रहे दो वर्षीय ईएफआईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 27 दिव्यांग विद्यार्थियों को कीबोर्ड एवं ओटीजी वितरित किए गए। दिव्यांग प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. अरुण शुक्ल ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को 15 दिनों का अवकाश दिया गया है। इस दौरान वे कीबोर्ड एवं ओटीजी की सहायता से मोबाइल से जुड़कर अध्ययन सामग्री तैयार कर सकते, ई-मेल भेज सकते, ऑनलाइन परीक्षाओं की तैयारी कर सकते तथा विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में भाग ले सकते। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना एवं उनकी तकनीकी दक्षता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अलेक्जेंडर चतुर्वेदी, डॉ. शैलेन्द्र श्रीवास्तव, डॉ. राजेश श्यामकुंवर, डॉ. तृप्ति उकारस, डॉ. संघाप्रिया तिवारी, डॉ. तरुणेंद्र साकेत, प्रशिक्षक राजीव गिरी, खेमचरन गुरुम सहित बड़ी संख्या में दिव्यांग विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पुलिस द्वारा एफआइआर दर्ज न करने पर परिवार के जरिए ली थी अदालत की शरण चेन्नई निवासी पिता ने लगाया जबलपुर में पुत्री की दहेज हत्या का आरोप

निर्देश जारी नहीं किए गए। इससे तंग आकर रिवीजन के जरिए एफआइआर पर बल दिया गया है। रिवीजन शादी में 100 तोला सोना, 20 लाख का हीरों का हार सहित अन्य सामग्री दी गई थी। इसके बावजूद दहेज प्रताड़ना दी गई। मणिपुर से जबलपुर ट्रांसफर के कारण कविता पति नागार्जुन के साथ नौ जून, 2025 को विमान से जबलपुर पहुंची। उसके बाद पति नागार्जुन ने कविता को नौ व 10 जून की दरमियानी रात 13 बजकर 39 मिनट पर मिल्ट्री हॉस्पिटल में भर्ती कराया। 10 जून को शाम आठ बजकर 10 मिनट पर मृत्यु हो गई। कविता के पिता दक्षिणापूर्ति का आरोप है कि उनकी पुत्री के मरणोपन अवस्था में पहुंचने का इंतजार कर अस्पताल लाया गया था। बाथरूम में फिसलने के तीन घंटे नौ मिनट बाद उस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जो गैरेट हाउस से महज पांच मिनट की दूरी पर है। सिर पर संचातक चोटों को दर्जनार कर हाई अटेक को मृत्यु का कारण निरूपित करने वाली पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी सवालियों के घेरे में है। ऐसा इसलिए क्योंकि जीवित अवस्था में चेन्नई के राजीव गांधी शासकीय जनरल हॉस्पिटल में कविता के स्वास्थ्य परीक्षण में हृदय संबंधी किसी बीमारी का उल्लेख नहीं आया था। छह बाई चार के बाथरूम में पांच फुट दो इंच की कविता के गिरने की बात भी हजम नहीं होती। लिहाजा, मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

जबलपुर। भारत की अग्रणी थिएटर कंपनी फेलिसिटी थिएटर द्वारा प्रस्तुत भव्य नाट्य मंचन ‘हमारे राम’ ने तरंग ऑडिटरियम में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 30 और 31 मई को आयोजित इस महाकाव्यात्मक प्रस्तुति में

रामायण के अनकहे प्रसंगों को आधुनिक तकनीक और प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से जीवंत किया गया। निर्देशक गौरव भारद्वाज के निर्देशन में प्रस्तुत इस नाटक में अभिनेता आशुतोष राणा ने रावण की भूमिका निभाई,

जबकि राहुल आर. भूचर भगवान राम, अमृता परिहार माता सीता, दानिश अख्तर हनुमान, तदण खन्ना भगवान शिव, भानु प्रताप राणा लक्ष्मण तथा करण शर्मा सूर्य देव के रूप में नजर आए। कलाकारों के प्रभावशाली

दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। आयोजकों के अनुसार यह नाट्य मंचन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, इतिहास और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने वाला एक सशक्त सांस्कृतिक अनुभव है।

39 घायलों का मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में चल रहा है इलाज

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से 6 लोगों की हुई मौत

4-4 लाख आर्थिक सहायता, मुख्यमंत्री ने व्यक्त की शोक संवेदना

कमिशनर, कलेक्टर पहुँचे मेडिकल कालेज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले की सीमा क्षेत्र में शनिवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 6 हो गई है। करन पठार थाना क्षेत्र के बिजौरा के पास श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई थी। हादसे में 41 लोग घायल हुए हैं। इनमें से कई की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम पड़मनिया से करीब 50 ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर ग्राम बिजौरा पूजा-अर्चना (पुजहाई) कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान शनि धाम के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। ट्रॉली पलटने से ही घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और कई लोग उसके नीचे दब गए। हादसे की सूचना मिलते ही पाली एसडीएम मोनाक्षी बंजारे और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल एम्बुलेंस के जरिए पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्रारंभिक जानकारी में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। इसके बाद पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के दौरान दो अन्य घायलों ने दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर हालत में शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किए



गए दो और घायलों की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस तरह मृतकों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग ग्राम पड़मनिया के निवासी बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान घनश्याम सिंह (45), सहबल बेगा (55), भूपत सिंह (50), बीर सिंह (60), धर्मपाल (15) और कृष्णपाल सिंह (40) के रूप में हुई है। हादसे में कुल 41 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 22 गंभीर घायलों का शहडोल मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।



कुछ घायलों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। एक गंभीर मरीज को देर रात जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली और शहडोल संभागायुक्त सुरभि गुप्ता व उमरिया कलेक्टर राखी सहाय ने अस्पताल व मेडिकल कॉलेज शहडोल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और डॉक्टरों को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने

परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांडस बंधाया। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट लिखा अनूपपुर जिले में पुष्पराजगढ़ सड़क दुर्घटना में 6 लोगों की मौत और घायलों के लिए इस दुख की घड़ी में परिवार वालों के लिए शोक संवेदना व्यक्त की है।

घर में डाका डालने वाला शातिर चोर दबोचा, बाइक और दो मोबाइल बरामद

शहडोला। क्षेत्र में सक्रिय चोरों और अपराधियों की अब खैर नहीं है। थाना प्रमारी निरीक्षक खेमसिंह पेंज्दे के नेतृत्व में धनपुरी पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने वाले एक शातिर बरमाश को दबोचकर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस ने मुस्तेदी दिखाते हुए आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल और दो चमचमाते झंझूड़य मोबाइल फोन भी बरामद कर लिए हैं। मामला बण्डी खुर्द गांव का है, जहां 12 मई की रात अज्ञात चोर ने फरियादी लाज्जी बेगा के खुले घर की निशाना बनाया था। शातिर चोर घर के भीतर से दो महंगे मोबाइल, बारह हजार रुपये नकद और आंगन में खड़ी चमचमाती मोटरसाइकिल चोर कर ले गया था। घटना के बाद सक्रिय हुई धनपुरी पुलिस ने मुम्बईरो को जाल बिछाया और सदैवर्ध पर पैनी नजर रखनी शुरू की। सटीक इनपुट के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर संदेही सैमनाथ बेगा को अपनी गिरफ्त में ले लिया।

3 बच्चों के पिता को साधू बनने का चढा रंग, कुल्हाड़ी से काट डाला गुप्तांग, जिला अस्पताल में मर्ती

छतरपुर। 3 बच्चों के पिता को साधू बनने का ऐसा रंग चढा. कि उसने ना रहेगा बांस ना बजेंगी बांसुरी वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए खेत में जाकर कुल्हाड़ी से अपना गुप्तांग काट डाला और खुद ने ही परिजनों को फोन पर सूचना दी। सूचना मिलने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां ईलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार थाना महाराजपुर के कस्बा बार्ड नं 06 भट्टीपुरा के रहने वाले 42 वर्षीय राममिलन यादव को शनिवार की सुबह साधू बनने की ऐसी सनक चढ़ी की वह 9 बजे अपने खेत पर गया और साथ में कुल्हाड़ी भी ले गया। खेत पर पहुंचकर उसने कुल्हाड़ी से अपने ही गुप्तांग पर जोरदार प्रहार किया जिससे उसका गुप्तांग कट गया। यह घटना करने के बाद उसने परिजनों को फोन लगाया और परिजन



तत्काल मौके पर पहुंचे, वहां से उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा उपचार शुरू किया गया जब राममिलन यादव से यह पूछा गया कि उसने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया तो उसका कहना था कि अज्जान में कोई पाप ना हो जाए। अब वह गृहस्थ जीवन से मुक्त होना चाहता है जबकि उसके परिवार में एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं और पत्नी लकवा की बीमारी से ग्रसित है। और 25 जून को एक बेटी का विवाह होना तथा हुआ था इस अजीबो गरीब घटना को लेकर तरह तरह की चर्चाएँ हो रही है।

छतरपुर में कस्टोडियल डेथ मामलों पर हाईकोर्ट सख्त, पुलिस अधिकारियों को जारी किए नोटिस

छतरपुर। जिले के विभिन्न थानों में पिछले दो महीनों के दौरान पुलिस हिरासत में हुई चार संदिग्ध मौतों के मामलों को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनया है। जबलपुर स्थित हाईकोर्ट की डबल बेंच ने राज्य सरकार, गृह विभाग और संबंधित पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। साथ ही संबंधित थानों के सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए हैं। यह जनहित याचिका संविधान के अनुच्छेद-226 के तहत सामाजिक कार्यकर्ता पीयूष दीक्षित द्वारा दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि छतरपुर जिले के अलग-अलग थानों में हिरासत के दौरान चार युवकों की मौत हुई, जो किसी एकल घटना के बजाय एक सिस्टमिक पैटर्न को दर्शाती हैं। याचिका में डी.के. बसु, गाइडलाइन तथा संविधान के अनुच्छेद-21 के उल्लंघन का भी उल्लेख किया गया है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस विवेक जैन एवं जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की खंडपीठ ने डीजीपी भोपाल, आईजी सागर, एसपी छतरपुर, थाना प्रमारी राजनगर, कोतवाली छतरपुर, चंदला और गौरिहार को नोटिस जारी किए हैं। हाईकोर्ट ने चारों मामलों से जुड़े सीसीटीवी फुटेज और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों की सुरक्षित रखने के आदेश दिए हैं। मामलों की अगली सुनवाई 14 जुलाई को निर्धारित की गई है। याचिका में चारों मौतों की निष्पक्ष जांच के दौरान अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने, जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज करने तथा सभी साक्ष्यों को तत्काल संरक्षित करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता के.सी. धिल्लियाल और अधिवक्ता जितेंद्र कुमार दीक्षित ने पक्ष रखा। याचिका में यह भी उल्लेख उठाया गया है कि पुलिस हिरासत और हवालात जैसी सुरक्षित जगहों पर आरोपियों तक जहर या फांसी लगाने के साधन आखिर कैसे पहुंचे। चारों मामलों में पुलिस का पक्ष यही रहा कि संबंधित आरोपियों ने आत्महत्या की या जहर खाकर जान दी। इस पर गंभीर संदेह व्यक्त करते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। वहीं राज्य सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता स्वजित शांगुली ने अदालत को बताया कि चार में से दो मामलों में न्यायिक जांच के आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। अब सभी की नजरे हाईकोर्ट में पुलिस विभाग द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले जवाब पर टिकी हैं।

पुर्जे-पुर्जे खोलकर पार किया तांबा और तेल, बिजली विभाग के उड़े होश शातिर चोरों का दुस्साहस, पोल से उतारा ट्रांसफॉर्मर



हरिभूमि न्यूज ▶▶▶ पांडुर्वा

विकासखंड के ग्राम राजना में कल शुक्रवार की रात चोरों ने एक ऐसी दुस्साहसिक चारदात को अंजाम दिया, जिसने बिजली विभाग के अधिकारियों और स्थानीय पुलिस की नींद उड़ा दी है। शातिर चोरों ने बिजली विभाग के ऊंचे स्ट्रक्चर पर फिट भारी-भरकम ट्रांसफॉर्मर को न सिर्फ नीचे उतारा, बल्कि उसे औजारों से खोलकर पुर्जे-पुर्जे कर डाला।

औजारों से खोला पूरा ढांचा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने राजना गांव में लगे बिजली ट्रांसफॉर्मर को निशाना बनाया। चोर पूरे लाव-लश्कर और औजारों के साथ आए थे। उन्होंने बकायदा पिंचीस, पानों और अन्य ट्रांसफॉर्मर को कलपुर्जों में तब्दील कर दिया। इसके बाद चोर ट्रांसफॉर्मर के भीतर भरा कीमती ऑइल, महंगी तांबे की प्लेटें और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री समेटकर रफूचककर हो गए।

अधिकारियों में हड़कंप, मौके पर बना पंचनामा

सुबह जब ग्रामीणों ने ट्रांसफॉर्मर को जमीन पर बिखरा और क्षतिग्रस्त देखा, तो उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना तुरंत बिजली विभाग और पुलिस को दी गई। बिजली कंपनी के दल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पंचनामा कार्रवाई पूरी की। चोरों के इस दुस्साहस से बिजली विभाग के आला अधिकारी भी सख्ते में हैं। स्थानीय पुलिस ने बिजली विभाग की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि यह किसी पेशेवर विरोह का काम हो सकता है, जिन्हें ट्रांसफॉर्मर खोलने की तकनीकी जानकारी थी। फिलहाल पुलिस क्षेत्र के संदिग्धों से पूछताछ कर रही है और आरोपियों की सर्गर्मी से तलाश जारी है।

अवैध धंधों पर अंकुश लगाने भाजपा नेताओं ने दिया ज्ञापन



भाजपा द्वारा चेतावनी दी गई कि यदि 7 दिवस के अंदर अवैध धंधे बंद नहीं किये जाते हैं तो भाजपा उच्च आंदोलन करेगी जिसकी समस्त जवाबदारी पुलिस प्रशासन की होगी । ज्ञापन में मुख्य रूप से पूर्व मंडल अध्यक्ष श्रीरंज पटेल , पूर्व मंडल महामंत्री हरी आठनकर , मंडल उपाध्यक्ष दीप अक्षय (हिंदु) मनारिया , मनीनीत पार्षद इंदुपाल साहू , पार्षद राहुल सराठी , रमेश साहू , अश्वनी यदुवंशी , नितिन जायसवाल , सतीश राय , धर्मेन्द्र चौहान , राजेंद्र राय , शिवनाथ कर्नाडिया उपस्थित रहे ।

जैविक/प्राकृतिक हाट बाजार के 25 सप्ताह पूर्ण होने पर किसानों को किया सम्मानित

परासिया। छिंदवाड़ा के सब्जी मंडी में जैविक/प्राकृतिक का उत्पादन करने वाले जिले के कृषकों का स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया गया सब्जी मंडी में विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर जैविक सब्जियों का महत्व तथा प्राकृतिक खेती पर विशेष जानकारी दी गई विनायक धर्माजी नागद्वारे भाजपा नेता के द्वारा किसानों का उत्साह बढ़ाया गया तथा उनकी खुशी में अपनी खुशी जाहिर कर अधिक से अधिक कृषक भाई जैविक और प्राकृतिक अनाज, सब्जि आदि का उत्पादन कर बाजार में लेकर आये जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है एवं निरंतर हाट बाजार प्रति शनिवार को लगता रहे इसकी आवश्यकता बताई गई।



अमरकंटक में आसमानी आफत का कहर

आकाशीय बिजली की चपेट में आए युवक-युवती की मौत, किशोरी घायल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्यप्रदेश की पावन धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक शनिवार को एक दर्दनाक हादसे की साक्षी बनी, जब अचानक बदले मौसम के बीच गिरी आकाशीय बिजली ने दो युवा जिंदगियों को असमय काल के गाल में समा दिया। नगर परिसर अमरकंटक के वाई कर्माक 2 बरती क्षेत्र में शाम लगभग चार बजे तेज आंधी गरज-चमक और मूसलाधार वर्षा के दौरान हुई बड़ घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और स्तब्धता का वातावरण व्याप्त हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरती क्षेत्र में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के समापन उपरांत भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर तीन युवक-युवतियां अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मौसम ने अचानक करवट ली और तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली धरती पर आ गिरी। बिजली की चपेट में आने से 18 वर्षीय हर्ष टांडिया और 17 वर्षीय आरती वर्मा गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि 17 वर्षीय राधा भी इसकी चपेट में आकर घायल हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय नागरिकों ने तत्परता दिखाते हुए तीनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने जांच उपरांत हर्ष टांडिया और आरती वर्मा को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल किशोरी राधा का उपचार चिकित्सकीय निगरानी में जारी है। इस दुःखद घटना की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अचानक हुए इस हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं और पूरे बरती क्षेत्र को गमगीन कर दिया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने घटना पर गहरी दुःख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है। घटना के संबंध में अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय क्षेत्र में तेज आंधी-तूफान के साथ लगातार मूसलाधार बारिश हो रही थी तथा आसमन में लगातार बिजली चमक रही थी। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से यह दुःखद घटना हुई। प्रशासन एवं पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्राकृतिक आपदा के इस मार्मिक हादसे ने एक बार फिर खराब मौसम के दौरान सतर्कता बरतने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। अमरकंटक सहित आसपास के क्षेत्रों में लगातार बदल रहे मौसम और आकाशीय बिजली की आसानी को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों में जाने से बचने की अपील की है।

भीमकुंड में मिले शव की हुई पहचान, सागर के ट्रक चालक राजेश यादव निकले मृतक

छतरपुर। बक्सवाहा क्षेत्र के प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल भीमकुंड में मिले अज्ञात शव की पहचान हो गई है। मृतक की पहचान राजेश यादव (36) निवासी रहली, जिला सागर के रूप में हुई है। शव की पहचान होने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व भीमकुंड में एक व्यक्ति के डूबने की सूचना मिलने पर प्रशासन और पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची थी। बक्सवाहा तहसीलदार भरत पांडेय एवं बाजना थाना पुलिस की मौजूदगी में एनडीआरएफ की टीम द्वारा विशेष रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। काफी मशक्कत के बाद गहरे जल से शव को बाहर निकाला गया था। शव की पहचान नहीं होने के कारण उसे बक्सवाहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मर्चुरी में सुरक्षित रखवाया गया था। इस बीच समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया के जरिए जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन बक्सवाहा



पहुंचे और शव की पहचान राजेश यादव के रूप में की। मृतक के बड़े भाई ने बताया कि राजेश यादव पेशे से ट्रक चालक थे और सागर क्षेत्र में वाहन चलाते का कार्य करते थे। उनकी शादी करीब दो वर्ष पहले हुई थी। परिजनों के अनुसार उनकी पत्नी की यह दूसरी शादी थी तथा पहली

शादी से एक 10-11 वर्षीय पुत्री भी है। मृतक की ससुराल टीकमगढ़ जिले के जतारा क्षेत्र स्थित बासीघाटी गांव में है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं भीमकुंड में हुई इस दुःखद घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

कोतवाली में युवती ने खुद पर डाला डीजल, मचा भारी बवाल



छतरपुर। जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाने में शनिवार दोपहर उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती ने थाने के भीतर ही खुद पर डीजल छिड़ककर आत्मदाह करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता और सजगता दिखाई, जिससे समय रहते युवती को काबू में कर लिया गया और एक बड़ा हादसा होने-होते टल गया। पुलिस अभिरक्षा में युवती का मेडिकल परीक्षण कराने के लिए उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के गौतम नगर (वार्ड नंबर 02, सौरा पहाडिया) की रहने वाली शमा

छतरपुर। जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाने में

शनिवार दोपहर उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती

ने थाने के भीतर ही खुद पर डीजल छिड़ककर आत्मदाह

करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद

पुलिसकर्मियों ने तत्परता और सजगता दिखाई, जिससे समय

रहते युवती को काबू में कर लिया गया और एक बड़ा हादसा

होने-होते टल गया। पुलिस अभिरक्षा में युवती का मेडिकल

परीक्षण कराने के लिए उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा

गया है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के गौतम

नगर (वार्ड नंबर 02, सौरा पहाडिया) की रहने वाली शमा

कोतवाली में युवती ने खुद पर डाला डीजल, मचा भारी बवाल

छतरपुर। जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाने में

शनिवार दोपहर उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती

ने थाने के भीतर ही खुद पर डीजल छिड़ककर आत्मदाह

करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद

पुलिसकर्मियों ने तत्परता और सजगता दिखाई, जिससे समय

रहते युवती को काबू में कर लिया गया और एक बड़ा हादसा

होने-होते टल गया। पुलिस अभिरक्षा में युवती का मेडिकल

परीक्षण कराने के लिए उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा

गया है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के गौतम

नगर (वार्ड नंबर 02, सौरा पहाडिया) की रहने वाली शमा

कोतवाली में युवती ने खुद पर डाला डीजल, मचा भारी बवाल

छतरपुर। जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाने में

शनिवार दोपहर उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती

ने थाने के भीतर ही खुद पर डीजल छिड़ककर आत्मदाह

करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद

पुलिसकर्मियों ने तत्परता और सजगता दिखाई, जिससे समय

रहते युवती को काबू में कर लिया गया और एक बड़ा हादसा

होने-होते टल गया। पुलिस अभिरक्षा में युवती का मेडिकल

परीक्षण कराने के लिए उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा

गया है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के गौतम

नगर (वार्ड नंबर 02, सौरा पहाडिया) की रहने वाली शमा

कोतवाली में युवती ने खुद पर डाला डीजल, मचा भारी बवाल

छतरपुर। जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाने में

शनिवार दोपहर उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती

ने थाने के भीतर ही खुद पर डीजल छिड़ककर आत्मदाह

करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद

पुलिसकर्मियों ने तत्परता और सजगता दिखाई, जिससे समय

रहते युवती को काबू में कर लिया गया और एक बड़ा हादसा

होने-होते टल गया। पुलिस अभिरक्षा में युवती का मेडिकल

परीक्षण कराने के लिए उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा

गया है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के गौतम

नगर (वार्ड नंबर 02, सौरा पहाडिया) की रहने वाली शमा

कोतवाली में युवती ने खुद पर डाला डीजल, मचा भारी बवाल

छतरपुर। जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाने में

शनिवार दोपहर उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती

ने थाने के भीतर ही खुद पर डीजल छिड़ककर आत्मदाह

करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद

पुलिसकर्मियों ने तत्परता और सजगता दिखाई, जिससे समय

रहते युवती को काबू में कर लिया गया और एक बड़ा हादसा

होने-होते टल गया। पुलिस अभिरक्षा में युवती का मेडिकल

परीक्षण कराने के लिए उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा

गया है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के गौतम

नगर (वार्ड नंबर 02, सौरा पहाडिया) की रहने वाली शमा

कोतवाली में युवती ने खुद पर डाला डीजल, मचा भारी बवाल

छतरपुर। जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाने में

शनिवार दोपहर उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती

ने थाने के भीतर ही खुद पर डीजल छिड़ककर आत्मदाह

करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद

पुलिसकर्मियों ने तत्परता और सजगता दिखाई, जिससे समय

रहते युवती को काबू में कर लिया गया और एक बड़ा हादसा

होने-होते टल गया। पुलिस अभिरक्षा में युवती का मेडिकल

परीक्षण कराने के लिए उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा

गया है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के गौतम

नगर (वार्ड नंबर 02, सौरा पहाडिया) की रहने वाली शमा

कोतवाली में युवती ने खुद पर डाला डीजल, मचा भारी बवाल

छतरपुर। जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाने में

शनिवार दोपहर उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती

ने थाने के भीतर ही खुद पर डीजल छिड़ककर आत्मदाह

करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद

पुलिसकर्मियों ने तत्परता और सजगता दिखाई, जिससे समय

रहते युवती को काबू में कर लिया गया और एक बड़ा हादसा

होने-होते टल गया। पुलिस अभिरक्षा में युवती का मेडिकल

परीक्षण कराने के लिए उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा

गया है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के गौतम

नगर (वार्ड नंबर 02, सौरा पहाडिया) की रहने वाली शमा

कोतवाली में युवती ने खुद पर डाला डीजल, मचा भारी बवाल

छतरपुर। जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाने में

शनिवार दोपहर उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती

ने थाने के भीतर ही खुद पर डीजल छिड़ककर आत्मदाह

करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद

पुलिसकर्मियों ने तत्परता और सजगता दिखाई, जिससे समय

रहते युवती को काबू में कर लिया गया और एक बड़ा हादसा

होने-होते टल गया। पुलिस अभिरक्षा में युवती का मेडिकल

परीक्षण कराने के लिए उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा

गया है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के गौतम

नगर (वार्ड नंबर 02, सौरा पहाडिया) की रहने वाली शमा

कोतवाली में युवती ने खुद पर डाला डीजल, मचा भारी बवाल

छतरपुर। जिला मुख्यालय के सिटी कोतवाली थाने में

शनिवार दोपहर उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती

ने थाने के भीतर ही खुद पर डीजल छिड़ककर आत्मदाह

करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद

पुलिसकर्मियों ने तत्परता और सजगता दिखाई, जिससे समय

रहते



निवेश : सहज पके सो मीठा होय, जल्दबाजी में घाटा सुझाव बिजनेस डेस्क

आज के समय में निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान बन चुका है। छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू करने की सुविधा और लंबी अवधि में बड़ा फंड बनाने की क्षमता ने इसे आम लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया है। खासकर नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग के लोग एसआईपी को भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का मजबूत साधन मान रहे हैं। हालांकि, कई निवेशक बाजार में गिरावट आते ही घबरा जाते हैं और जल्दी पैसा निकाल लेते हैं। यही जल्दबाजी उन्हें नुकसान पहुंचाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि एसआईपी में असली मुनाफा धीर्य रखने वालों को मिलता है। हाल ही में सामने आई एक स्टडी भी यही साबित करती है कि जितनी लंबी अवधि तक निवेश जारी रखा जाए, जोखिम उतना कम होता जाता है और रिटर्न ज्यादा भरोसेमंद बनते हैं।

30 वर्ष की स्टडी में सामने आई बड़ी बात

एक स्टडी में अगस्त 1996 से अप्रैल 2024 तक के सेसेक्स टीआरआई के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें मंथली एसआईपी निवेश के प्रदर्शन को अलग-अलग अवधियों में जांचा गया। स्टडी के मुताबिक कम समय के निवेश में रिटर्न काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा, जबकि लंबी अवधि में यह अंतर कम हो गया। यानी जो निवेशक थोड़े समय के लिए एसआईपी करते हैं, उन्हें कभी बड़ा मुनाफा तो कभी बड़ा नुकसान देखने को मिल सकता है। लेकिन जो लोग लंबे समय तक निवेश में बने रहते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत स्थिर और बेहतर रिटर्न मिलता है।

तीन साल की एसआईपी में बड़ा जोखिम

स्टडी के अनुसार, तीन साल की एसआईपी में रिटर्न का अंतर बहुत ज्यादा देखने को मिला। कुछ निवेशकों को जहां 55.6 प्रतिशत तक का शानदार मुनाफा मिला, वहीं कई मामलों में 24.6 प्रतिशत तक का नुकसान भी हुआ। यह आंकड़े बताते हैं कि कम समय में शेयर बाजार की अस्थिरता निवेश पर गहरा असर डालती है। यदि बाजार गिरावट के दौर में होे और निवेशक जल्दबाजी में पैसा निकाल ले, तो नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए विशेषज्ञ एसआईपी को शॉर्ट टर्म नहीं बल्कि लॉन्ग टर्म निवेश मानते हैं।

8 साल बाद घाटे की संभावना खत्म

स्टडी की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि जिन निवेशकों ने लगातार 8 साल या उससे ज्यादा समय तक एसआईपी जारी रखी, उन्हें किसी भी अवधि में नुकसान नहीं हुआ। यानी लंबे समय तक निवेश बनाए रखने पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर धीरे-धीरे कम हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि में बाजार की गिरावट अस्थायी साबित होती है और अर्थव्यवस्था की ग्रेथ के साथ निवेश का मूल्य बढ़ता है। यही कारण है एसआईपी में समय सबसे बड़ा हथियार माना जाता है।

10 साल बाद बढ़ जाती है भरोसेमंद कमाई

स्टडी के मुताबिक, तीन साल की एसआईपी में 10 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिलने की संभावना 67 प्रतिशत रही। लेकिन जैसे-जैसे निवेश की अवधि बढ़ी, यह संभावना भी मजबूत होती गई। 10 साल के निवेश में 10 प्रतिशत से अधिक रिटर्न मिलने की संभावना 95 प्रतिशत तक पहुंच गई। वहीं 12 से 15 साल की एसआईपी में यह आंकड़ा 98 प्रतिशत रहा। इसका मतलब है कि लंबे समय तक निवेश करने वालों के लिए बेहतर रिटर्न की संभावना बेहद मजबूत हो जाती है।

15 वर्ष की एसआईपी ने दिया स्थिर रिटर्न

यदि 15 साल की एसआईपी का प्रदर्शन देखें तो रिटर्न का दायरा 7.3 प्रतिशत से 18.2 प्रतिशत के बीच रहा। यह अंतर तीन साल की तुलना में काफी कम है। लंबी अवधि में निवेश ज्यादा स्थिर और भरोसेमंद बन जाता है। विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि बहुत लंबी अवधि में रिटर्न थोड़ा औसत या संतुलित हो सकता है। यानी शुरुआती वर्षों की तरह बहुत अधिक तेजी नहीं दिखती, लेकिन जोखिम भी काफी कम हो जाता है। एसआईपी को सुरक्षित और अनुशासित निवेश का तरीका माना जाता है।

लंबी अवधि ही सफलता की कुंजी

स्टडी संकेत देती है कि एसआईपी में जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है, जबकि धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर और स्थिर रिटर्न मिलता है। कम समय में जोखिम ज्यादा रहता है, लेकिन 8 से 10 साल के बाद घाटे की संभावना कम हो जाती है। एसआईपी का बड़ा फायदा कंपाउंडिंग होता है।

डिजिटल ठगी के जाल से रहें अलर्ट, वरना हो सकता है भारी नुकसान

सावधानी बिनेस डेस्क

आज के दौर में शेयर बाजार में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने निवेश को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ ही ऑनलाइन ठगी और फर्जी निवेश सलाह का खतरा भी कई गुना बढ़ गया है। खासकर इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, व्हाट्सएप और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रहे ट्रेंडिंग चैनल और टिप्स ग्रुप लाखों लोगों को आसान कमाई का सपना दिखाकर जाल में फंसा रहे हैं। कई लोग बिना रिसर्च किए इन प्लेटफॉर्म पर बताए गए शेयरों में पैसा लगा देते हैं और बाद में भारी नुकसान उठाते हैं। हाल ही में एनएसई और सेबी ने निवेशकों को ऐसे फर्जी सोशल मीडिया हैडलस और टेलीग्राम चैनलों से सावधान रहने की सलाह दी है। एक्सचेंजों ने स्पष्ट किया है कि कई लोग खुद को ट्रेडिंग एक्सपर्ट, मार्केट गुरु या निवेश सलाहकार बताकर निवेशकों के अकाउंट तक एक्सेस मांगते हैं और बाद में रकम गायब कर देते हैं। कई मामलों में 'डबल पैसा', 'गारंटीड प्रॉफिट', '100 प्रतिशत सटीक कॉल' और 'इंट्राडे में लाखों कमाएं' जैसे झूठे दावे किए जाते हैं।



निवेश मंत्रा बिजनेस डेस्क

- ▶ कंपाउंडिंग की ताकत भविष्य बना सकती है आर्थिक रूप से मजबूत
- ▶ निवेश से पूरे हो सकते हैं घर, शिक्षा और रिटायरमेंट के सपने
- ▶ एसआईपी और म्यूचुअल फंड युवाओं की पहली पसंद बन रहे

आज के दौर में आर्थिक सुरक्षा हर व्यक्ति की सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है। बढ़ती महंगाई, अनिश्चित नौकरियां, महंगी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं ने लोगों को भविष्य को लेकर अधिक गंभीर बना दिया है। ऐसे समय में निवेश केवल अमीर लोगों की आदत नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की जरूरत बन गया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि निवेश एक पेड़ की तरह होता है। यदि आज इसके बीज बोए जाएं और समय-समय पर इसकी देखभाल की जाए, तो यही पेड़ भविष्य में छाया, फल और सुरक्षा प्रदान करता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार युवाओं को कम उम्र से ही निवेश की शुरुआत करने की सलाह देते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि निवेश का मतलब केवल शेयर बाजार में पैसा लगाना है, जबकि ऐसा नहीं है। निवेश का अर्थ है अपने पैसे को ऐसे साधनों में लगाना, जहां वह समय के साथ बढ़ सके और भविष्य में आर्थिक मजबूती दे सके। यह शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट, बॉन्ड, पीपीएफ, सोना, रियल एस्टेट या किसी व्यवसाय में निवेश के रूप में हो सकता है। हर निवेश का उद्देश्य भविष्य में बेहतर रिटर्न और आर्थिक सुरक्षा प्राप्त करना होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार निवेश की शुरुआत हमेशा स्पष्ट लक्ष्य के साथ करनी चाहिए। बिना लक्ष्य के किया गया निवेश अक्सर बीच रास्ते में रुक जाता है या सही दिशा नहीं पकड़ पाता। इसलिए पहले यह तय करना जरूरी है कि निवेश किस उद्देश्य से किया जा रहा है।

संयम के साथ किया गया एसआईपी में निवेश बना सकता है करोड़पति

जानकारी बिजनेस डेस्क

आज के समय में कार या मकान खरीदना हर व्यक्ति का सपना होता है। लेकिन बढ़ती कीमतों और महंगे लोन के कारण यह सपना कई लोगों के लिए बोझ बन जाता है। अधिकतर लोग घर या कार खरीदने के लिए बैंक से लोन लेते हैं और फिर वर्षों तक ईएमआई चुकते रहते हैं। खासकर होम लोन में ब्याज इतना ज्यादा होता है कि कई बार व्यक्ति मूल रकम से लगभग दोगुनी राशि चुका देता है। ऐसे में यदि सही समय पर निवेश की योजना बना ली जाए तो बिना लोन लिए भी कार या मकान खरीदा जा सकता है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना ​​है कि यदि कोई व्यक्ति 10 से 15 साल पहले से योजना बनाकर म्यूचुअल फंड में एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान शुरू करे तो वह बड़ा फंड तैयार कर सकता है। यही फंड भविष्य में कार या मकान खरीदने में मदद कर सकता है। एसआईपी न केवल निवेश की आदत विकसित करती है बल्कि लंबे समय में कंपाउंडिंग का लाभ भी देती है। लोन लेने का सबसे बड़ा नुकसान ब्याज होता है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति 50 लाख रुपये का होम लोन लेता है तो 20 से 25 वर्षों में उसे लगभग 90 लाख से 1 करोड़ रुपये तक चुकाने पड़ सकते हैं। यानी आधे से ज्यादा पैसा केवल ब्याज के रूप में चला जाता है। कार लोन में भी स्थिति कुछ ऐसी ही रहती है। नई कार खरीदते समय डाउन पेमेंट के बाद कई वर्षों तक ईएमआई भरनी पड़ती है। इससे मासिक बजट पर दबाव बढ़ता है और बचत की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए जो लोग भविष्य की योजना पहले से बनाते हैं, उनके लिए एसआईपी बेहतर विकल्प साबित हो सकती है।

समय पर निवेश ही बनाता है आर्थिक सुरक्षा की मजबूत नींव, छोटी बचत और लंबी अवधि से तैयार हो सकती है बड़ी पूंजी आज का निवेश, कल की सुरक्षा पेड़ की तरह छाया देता है पैसा

बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना, रिटायरमेंट, मेडिकल सुरक्षा, विदेश यात्रा या आर्थिक स्वतंत्रता। जब लक्ष्य स्पष्ट होते हैं, तो निवेश की रणनीति बनाना आसान हो जाता है। इसके साथ ही निवेश में सबसे महत्वपूर्ण चीज है अनुशासन। बहुत से लोग शुरुआत तो कर देते हैं, लेकिन कुछ समय बाद निवेश बंद कर देते हैं। यह सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। निवेश को नियमित आदत बनाना जरूरी है।



कंपाउंडिंग की ताकत बदल सकती है भविष्य

निवेश की दुनिया में कंपाउंडिंग को सबसे बड़ा जादू माना जाता है। इसका अर्थ है कि निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे चलकर कमाई करना शुरू कर देता है। यही कारण है कि छोटी-छोटी रकम भी लंबे समय में बड़ी पूंजी में बदल सकती है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति 25 वर्ष की उम्र से हर महीने पांच हजार रुपये निवेश करना शुरू करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलता है, तो 60 वर्ष की उम्र तक वह करोड़ों रुपये का फंड तैयार कर सकता है। वहीं यदि यही निवेश 40 वर्ष की उम्र से शुरू किया जाए, तो अंतिम राशि काफी कम रह जाएगी।

निवेश क्यों जरूरी है

महंगाई धीरे-धीरे पैसे की कीमत कम करती रहती है। आज जो चीज 100 रुपये में मिलती है, वह कुछ वर्षों बाद 200 या 300 रुपये की हो सकती है। यदि पैसा केवल बचत खाते में पड़ा रहे, तो उसकी वास्तविक वैल्यू घटती जाती है। निवेश इस नुकसान से बचाने का माध्यम बनता है। सही निवेश न केवल पूंजी बढ़ाता है, बल्कि अतिरिक्त आय का जरिया भी बन सकता है। कुछ निवेश साधन टेक्स बचाने में भी मदद करते हैं। इसके अलावा निवेश आर्थिक आत्मनिर्भरता देता है, जिससे व्यक्ति भविष्य की जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहता।

बिना लोन के भी पूरा हो सकता है कार और मकान का सपना

अगर आपको पूरी तरह से लार्ज-कैप इंडेक्स में ही निवेश करना है, तब तो आपके लिए सिर्फ निफ्टी 50 इंडेक्स फंड ही काफी है। या फिर आप निफ्टी 100 इंडेक्स फंड को भी देख सकते हैं, जिसका 85 फीसदी एलोकेशन निफ्टी 50 में और बाकी 15 फीसदी निफ्टी नेक्स्ट 50 में होता है, लेकिन अगर आप पैसिव फंड्स के जरिए मिड-कैप में निवेश करना चाहते और बेहतर रिटर्न की उम्मीद में ज्यादा रिस्क लेने को तैयार हैं, तो नेक्स्ट 50 और मिडकैप 150 इंडेक्स फंड के बीच किसी एक का चुनाव कर सकते हैं।



एसआईपी कैसे करती है मदद

एसआईपी के जरिए हर महीने एक निश्चित रकम म्यूचुअल फंड में निवेश की जाती है। यह निवेश बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से जारी रहता है। लंबी अवधि में यही छोटी-छोटी रकम बड़ा फंड बन जाती है। विशेषज्ञों का अनुसार इक्विटी म्यूचुअल फंड लंबे समय में औसतन 10 से 15 प्रतिशत तक रिटर्न दे सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति अनुशासन के साथ लगातार निवेश करता रहे तो 10 से 15 वर्षों में लाखों या करोड़ों रुपये का फंड तैयार हो सकता है।

20 हजार की एसआईपी से बन सकता है बड़ा फंड

यदि कोई व्यक्ति हर महीने 20 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलता है, तो 10 वर्षों में उसके पास लगभग 45 लाख रुपये का फंड तैयार हो सकता है। इसमें करीब 24 लाख रुपये उसका कुल निवेश होगा, जबकि लगभग 21 लाख रुपये केवल रिटर्न या ब्याज के रूप में मिलेंगे। इतनी रकम में व्यक्ति आसानी से एक अच्छी और प्रीमियम कार खरीद सकता है।

मकान खरीदने के लिए कितनी एसआईपी जरूरी?

अगर लक्ष्य मकान खरीदने का है तो निवेश की राशि बढ़ानी होगी। उदाहरण के तौर पर यदि कोई व्यक्ति हर महीने 30 हजार रुपये की एसआईपी करता है और उसे 12 प्रतिशत का औसत रिटर्न मिलता है, तो 10 वर्षों में करीब 67 लाख रुपये का फंड तैयार हो सकता है। इसमें लगभग 36 लाख रुपये का निवेश और 31 लाख रुपये का रिटर्न शामिल होगा। वहीं यदि निवेश की अवधि 15 वर्ष कर दी जाए तो यही फंड करीब 1.4 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इतनी रकम में व्यक्ति बिना लोन के घर खरीदने का सपना पूरा कर सकता है।

जल्दी शुरुआत करना क्यों जरूरी?

एसआईपी में सबसे बड़ा फायदा समय का होता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, उतना ज्यादा फायदा कंपाउंडिंग का मिलता है। कंपाउंडिंग का मतलब है कि आपके निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे रिटर्न कमाने लगता है। यदि कोई व्यक्ति 25 वर्ष की उम्र में निवेश शुरू करता है तो उसे कम रकम निवेश करनी पड़ेगी। वहीं 35 या 40 वर्ष की उम्र में वही लक्ष्य पाने के लिए अधिक निवेश करना होगा। इसलिए विशेषज्ञ हमेशा जल्दी शुरुआत करने की सलाह देते हैं।

जोखिम को समझना भी बेहद जरूरी

हर निवेश के साथ कुछ न कुछ जोखिम जुड़ा होता है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, आर्थिक मंदी, महंगाई और वैश्विक घटनाएं निवेश को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी जोखिम उठाने की क्षमता को समझना जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति जोखिम कम लेना चाहता है, तो उसे सुरक्षित निवेश विकल्प चुनने चाहिए। वहीं युवा निवेशक लंबी अवधि के कारण थोड़ा अधिक जोखिम लेकर बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। लेकिन किसी भी निवेश में बिना जानकारी और बिना रिसर्च के पैसा लगाना खतरनाक हो सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेश हमेशा विविध होना चाहिए। यानी सारा पैसा एक ही जगह नहीं लगाना चाहिए। यदि निवेश अलग-अलग क्षेत्रों में किया जाए, तो जोखिम कम हो जाता है। यही कारण है कि कहा जाता है कि "सभी अंडे एक टोकरी में नहीं रखने चाहिए।"

डिजिटल दौर में सावधानी भी जरूरी

आज ऑनलाइन निवेश तेजी से बढ़ रहा है। मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने निवेश को आसान बना दिया है। लेकिन इसके साथ साइबर ठगी और फर्जी निवेश सलाह का खतरा भी बढ़ा है। सोशल मीडिया पर कई लोग खुद को निवेश गुरु बताकर लोगों को गुरुभार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा विश्वसनीय और रजिस्टर्ड प्लेटफॉर्म के जरिए ही करना चाहिए। किसी भी "गारंटीड रिटर्न" या "दोगुना पैसा" जैसी योजनाओं से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। निवेश से पहले पूरी जानकारी लेना बेहद जरूरी है।

ऐसे करें निवेश की शुरुआत
निवेश शुरू करने के लिए सबसे पहले अपनी आय और खर्च का आकलन करें। इसके बाद हर महीने एक निश्चित राशि निवेश के लिए अलग रखें। इन्वर्जेंसी फंड तैयार करना भी जरूरी है, ताकि अचानक जरूरत पड़ने पर निवेश तोड़ना न पड़े। इसके अलावा बाजार और निवेश साधनों के बारे में लगातार सीखते रहना चाहिए। अखबार पढ़ना, वित्तीय किताबें समझना और विशेषज्ञों की सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है।

उतार-चढ़ाव के बीच दमदार साबित हुए फ्लेक्सी कैप फंड

बिजनेस डेस्क
म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच फ्लेक्सी कैप फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। बाजार में अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव के दौर में ये फंड निवेशकों के लिए "ऑल वेडर" विकल्प माने जाते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि फंड मैनेजर को बड़ी, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में बिना किसी तय सीमा के निवेश करने की आजादी होती है। यानी बाजार की स्थिति, आर्थिक हालात और वैल्यूएशन के हिसाब से फंड मैनेजर पोर्टफोलियो का संतुलन बदल सकते हैं। तेजी के दौर में मिड और स्मॉल कैप में अधिक निवेश किया जा सकता है, जबकि गिरावट के समय बड़े और मजबूत शेयरों का संभार लिया जाता है। यही लचीलापन फ्लेक्सी कैप फंड को अन्य इक्विटी फंड्स से अलग बनाता है। जोखिम के मुकाबले बेहतर रिटर्न देने वाले फ्लेक्सी कैप फंड का विश्लेषण किया गया, जिसमें 6 महीने, 1 साल, 3 साल और 5 साल के रोलिंग रिटर्न के साथ शार्प, सॉलिनो और स्टैंडर्ड डिविएशन जैसे जोखिम संकेतकों की आधार बनाया गया।

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड
जनवरी 1995 में शुरू हुआ यह फंड लंबे समय से निवेशकों के बीच भरोसेमंद माना जाता है। फंड की रणनीति मजबूत कंपनियों को चुनकर लंबे समय तक बनाए रखने की रही है। पिछले तीन वर्षों में इस फंड ने लगभग 23.2 प्रतिशत सीएजीआर रिटर्न दिया, जबकि इसी अवधि में निफ्टी-500 टीआरआई का रिटर्न करीब 17 प्रतिशत रहा। फंड की खास बात यह है कि इसने कम उतार-चढ़ाव के साथ बेहतर रिटर्न दिया। फंड के प्रमुख निवेशों में आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और एसबीआई लाइफ शामिल हैं। सेक्टर के लिहाज से बैंकिंग, ऑटो और हेल्थकेयर में इसका बड़ा निवेश है। पिछले एक साल में फंड ने करीब 75 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप में रखा।

पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड
यह फंड निवेशकों के बीच सबसे चर्चित फ्लेक्सी कैप फंड में गिना जाता है। मई 2013 में लॉन्च हुए इस फंड की रणनीति वैल्यू इन्वेस्टिंग पर आधारित है। फंड मजबूत कंपनियों में निवेश करता है और विदेशी शेयरों में भी एक्सपोजर देता है। एफफाबेट, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, और मेटा जैसी वैश्विक कंपनियां इसके पोर्टफोलियो में शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों में फंड ने करीब 21.6 प्रतिशत सीएजीआर रिटर्न दिया। सबसे खास बात यह रही कि इसकी वॉलेटिलिटी कैटेगरी में सबसे कम रही। शार्प और सॉलिनो रेशियो के मामले में भी यह फंड सबसे आगे रहा। फंड का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा लार्ज कैप में, जबकि कुछ हिस्सा इंटरमेशनल इक्विटी और डेट इस्ट्र्यूटमेंट्स में निवेशित है।

आईसीआई प्रूडेंसियल फ्लेक्सी कैप फंड
जुलाई 2021 में शुरू हुआ यह फंड अपेक्षाकृत नया है, लेकिन कम समय में मजबूत प्रदर्शन के कारण तेजी से लोकप्रिय हुआ है। फंड की रणनीति मजबूत बिजनेस और उचित वैल्यूएशन वाली कंपनियों में निवेश करने की है। पिछले तीन वर्षों में इस फंड ने करीब 20.4 प्रतिशत सीएजीआर रिटर्न दिया। इसकी वॉलेटिलिटी कैटेगरी औसत के बराबर रही, लेकिन जोखिम के मुकाबले रिटर्न बेहतर रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में टैटोएक्स मोटर, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकि और एवेन्यू सुपरमार्ट शामिल हैं। वर्तमान में इसका करीब 61 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप व करीब 25 प्रतिशत स्मॉल कैप में है।

क्यों खास है फ्लेक्सी कैप फंड
फ्लेक्सी कैप फंड की सबसे बड़ी ताकत उनकी लचीलापन वाली रणनीति है। बाजार में तेजी हो या गिरावट, फंड मैनेजर बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। इसी वजह से इन्हें लंबी अवधि के निवेश के लिए अच्छा विकल्प माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक ये फंड निवेशकों के पोर्टफोलियो का "कोर" हिस्सा बन सकते हैं।



अल नीनो एक मौसमी घटना है जो प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के गर्म होने से उत्पन्न होती है। यह आमतौर पर भारतीय मानसून को कमजोर करती है, जिससे बारिश कम होने की आशंका बनी रहती है। दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर होने से मयानक सूखा आता है। स्वामाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में अन्य मौसमी कारकों (जैसे 'इंडियन ओशन डायपोल') की सक्रियता के कारण भारत पर अल नीनो का सीधा और विनाशकारी प्रभाव कम हो गया है। फिर भी इनमें इसके दुष्प्रभावों के प्रति सचेत रहना होगा। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा। जल संरक्षण, पौधरोपण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अल नीनो : भारत पर प्रभाव की आशंका कम



विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई हैं। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। मौसम वैज्ञानिक इसका विश्लेषण इस तरह करते हैं कि अल-नीनो से पृष्ठ में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पाते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। वैसे भी वायुमंडल की गर्मी के कारण मौसम की स्थितियां बदल रही हैं और यह कब कहां क्या रूप लेगा इसकी सटीक भविष्यवाणी पहले से ज्यादा कठिन हो गई है, लेकिन इस तरह हवा पानी की धारा में परिवर्तन और उनसे गर्मी और ठंड क्यों उत्पन्न होती है, इसका विश्लेषण कोई नहीं करता।

फिर एक बार हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई हैं। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। हालांकि जैसा कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अभी मौसम विभाग का अंतिम अनुमान नहीं आया है, लेकिन अल नीनो से फसलों पर कोई बुरा असर न पड़े, इसको लेकर पूरी तैयारी की जा रही है। इसके अनुसार हम बीज की व्यवस्था कर रहे हैं। यानी जिस राज्य की जैसी आवश्यकता होगी, जो स्थिति होगी, उनके अनुसार काम किया जाएगा। कृषि मंत्री के आश्वासन से निश्चित रूप से देश को थोड़ी राहत मिली है। किंतु मनुष्य की कोई भी व्यवस्था प्रकृति के प्रकोप के समक्ष कमजोर होती है, इसलिए सबकी कामना होगी कि भारत अल नीनो के नकारात्मक प्रभाव से मुक्त रहे।

पहले समझें कि अल नीनो है क्या? अल नीनो स्पेनिश भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है, छोटा बच्चा। इसके अर्थ पर मत जाइए। सामान्य भाषा में कहें तो अल-नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र पर फैली गर्मी के कारण होता है। यानी प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी भाग या पेरू के निकट समुद्री तट और पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। यानि समान तापमान से चार-पांच डिग्री अधिक। यही अल नीनो है।

मौसम प्रणालियों का संतुलन

इस गर्मी से समुद्र में चल रही हवाओं के रास्ते और रफ्तार में बदलाव आता है और विश्व भर की मौसम प्रणालियों का संतुलन बिगड़ जाता है। इससे भारत में मानसून कमजोर होने, कम बारिश और भीषण गर्मी की स्थिति उत्पन्न होती है। हम न भूलें कि वैज्ञानिक को जो कुछ उस दौरान अध्ययनों से दिखाई देता है, केवल उसे सामने लाते हैं। प्रकृति के संपूर्ण रहस्य को न कोई समझ पाया और न समझ सकता है। इसीलिए विश्व में अब नास्तिकों और अतिश्रद्धावादीयों की संख्या कम हो चुकी है। सभी प्राकृतिक घटनाओं के पीछे केवल वैज्ञानिक कारण देखने की जगह अधिकांश ब्रह्माण्ड के नियंत्रण के प्रभाव के रूप में देखते-समझते हैं। वर्तमान मानव सभ्यता के सच्चे इतिहास को देखते हुए यही दिशा उचित है। अल नीनो कैसे प्रभाव डालता है? वस्तुतः व्यापारिक हवाएं समान्यतः पूर्व से पश्चिम की ओर चलती हैं और गर्म पानी को ऑस्ट्रेलिया और एशिया की तरफ ले जाती रहती है। अल



नीनो के समय ये हवाएं या तो कमजोर हो जाती हैं या उल्टी दिशा में बहने के कारण, गर्म पानी वापस अमेरिका और पेरू के तटों की ओर जाती हैं। इस कारण पूर्वी प्रशांत महासागर का तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। प्रशांत महासागर के तापमान से वैश्विक मौसम प्रभावित होता है।

खरीफ फसलों को नुकसान

इससे गर्मी बढ़ने और उसके परिणामस्वरूप कहीं भयंकर सूखा तो कहीं अत्यधिक बारिश और बाढ़ होती है। ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, और भारत सहित दक्षिणी एशिया के कुछ क्षेत्रों में वर्षा कम होती है और सूखे की स्थिति बनती है। दूसरी ओर दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र के तटीय इलाके यानी पेरू जैसे देश में अत्यधिक बारिश और बाढ़ जैसी स्थितियां पैदा हो जाती हैं। भारत की दृष्टि से विचार करें तो अल नीनो के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर हो जाने से भयानक सूखा आता है। स्वाभाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। गर्मी के समय तापमान बढ़ जाए तो फिर इसकी चपेट में मनुष्य, पशु-पक्षी और वनस्पति सब आते हैं। अल नीनो के विपरीत भी स्थिति होती है जिसे ला नीना

कहा जाता है। इसमें प्रशांत महासागर का जल सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है और भारत में जबर्दस्त बारिश की स्थिति बनती है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून ही अर्थव्यवस्था और कृषि का आधार है। 1951 से 2022 के बीच के आंकड़े बताते हैं कि अपवादों को छोड़ अल नीनो वाले वर्षों में बारिश औसत से 60% तक कम हुई।

कई बार विफल रही भविष्यवाणी

1871 के बाद से जब-जब भयंकर सूखा पड़ा, अल नीनो उसके साथ जुड़ा था। हालांकि कई बार सशक्त अल नीनो के बावजूद हमारे देश में सामान्य या औसत से अधिक बारिश भी हुई। वास्तव में अल नीनो की भविष्यवाणी कई बार भारत में विफल रही। कम से कम 1997-98, 1983 और 1994 में मजबूत अल-नीनो होने के बावजूद मौसम को लेकर तबाही मचाई, लेकिन हमारे यहां मानसून में औसत से ज्यादा बारिश हुई।

मौसम वैज्ञानिक इसका कारण सकारात्मक हिन्द महासागर दिश्वृ या पॉजिटिव इंडियन ओशन डिपोल आईओडी बताते। इसमें पश्चिमी हिंद महासागर गर्म और पूर्वी भाग ठंडा होता है, तो यह अल-नीनो के नकारात्मक प्रभाव को कम कर देता है। यही हुआ। इसके पहले 1983 में भी अल-नीनो ने विश्व के लिए समस्याएं पैदा की लेकिन भारत

में औसत से अधिक बारिश हुई। यही स्थिति 1994 और 2006 में हुई। हालांकि 2006 में अल-नीनो काफी दुर्बल था। इस मामले में भी विपरीत स्थितियां हुईं। उदाहरण के लिए 2002 में दुर्बल अल-नीनो के बावजूद सूखा पड़ गया। 2009 में भी अल-नीनो कमजोर था, लेकिन बारिश केवल 78% हुई और सूखा पड़ा।

हमें रहना होगा अलर्ट

कारण वही, जिसकी हमने ऊपर चर्चा की। यानी प्रशांत महासागर का पूर्वी हिस्सा ठंडा होने और अन्य मौसमी स्थितियों ने मानसून को ताकत दी। पिछले सात दशकों में 17 प्रमुख अल-नीनो में से 5 में भारत में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा हुई। सभी अल नीनो में सूखे की भविष्यवाणी की गई थी। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि अल-नीनो से पूर्व में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। हमारे सामने अल नीनो के बीच सामान्य बारिश होने और बेहतर फसल का रिकॉर्ड है तो कुछ सूखे का भी। सूखे का रिकॉर्ड हमारा कम है। बावजूद निश्चयात्मक रूप से नहीं कह सकते कि अल नीनो आया तो क्या होगा? सरकार के साथ सेवा क्षेत्र में काम करने वाले संगठन समूह भी अपनी तैयारी रखें।

ड्रिप और सिप्रंकलर जैसी सिंचाई व्यवस्था जरूरी



उमेश चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

सा ल 2026 में प्रशांत महासागर में सक्रिय 'अल नीनो' का साथी भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई है। नए पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल औसत से करीब दस फ़ीसद कम बारिश होने की आशंका है। भारत में, जहां कृषि अमी- भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है, उसके लिए मानसूनी बारिश की कमी और भीषण सूखा एक तरह से विपत्ति का ही ध्योतक है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सिंचाई का भी प्रबंधन किया जाए। भारत की करीब साठ प्रतिशत आबादी अब भी खेती-तीर पर खेती-किसानी पर निर्भर है। सूखे की मार की वजह से इस बड़ी आबादी के सामने सहज तरीके से रेजी-रोटी का संकट उठ खड़ा होगा। इससे बचाव के लिए जरूरी होगा कि सिंचाई के ऐसे साधनों और तकनीकों को अपनाया जाए, जिनके जरिए पानी को बचाया जा सके और तुलनात्मक रूप से ज्यादा पैदावार ली जा सके।

भारत में मूजल का पुनर्मरण यानी रिचार्ज कम
अल नीनो का दूसरा अर्थ है, कम वर्षा और भीषण सूखा। इस परिस्थिति में भारत में सिंचाई साधनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जिनसे न केवल फसलों का बचाव हो सके, बल्कि खाद्य सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। जहां तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह मूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। वर्षा की कमी के कारण मूजल का पुनर्मरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे मूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही मूजल स्तर काफी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है। अल नीनो के चलते इस साल वर्षा पहले बने बांधों और जलाशयों में पानी का भंडारण सामान्य से कम होने की आशंका है। इस पानी का इस्तेमाल ज्यादातर रबी फसलों के लिए होता है।

पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय
जब पानी कम होगा तो रबी फसलों की सिंचाई के लिए कम उपलब्ध होगा। अल नीनो के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों के सूखे की चपेट में आना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय है। इससे फसलों की बुवाई में देरी हो सकती है और फसलों की बुआई के लिए अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए मूजल की आवश्यकता होगी और उसे चूंकि ट्र्यूबल से निकाला जाएगा, लिहाजा बिजली की मांग बढ़ेगी। इसके लिए सिंचाई के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों, जैसे बाजरा, मूँग, अरहर, मक्का आदि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपाय को अपनाने की बात भी की है। सरकार की ओर से इस संबंध में किसानों की तैयार भी किया जा रहा है। इसके तहत मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए पौधों की जड़ों के आसपास सूखी पतियों या प्लास्टिक की शीट की परत बिछाने का सुझाव दिया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, देशी पौधों को आमतौर पर बढ़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है या वे अन्य प्रकार की घासों, पेड़ों और झाड़ियों की तुलना में उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान और बागवानी करने वाले लोग अपने बगीचों या यहां तक कि अपने व्यवसायों के सामने भी पथरों या अन्य प्रकार के भू-आवरण का उपयोग करके रचनात्मक तरीके से पानी को बचा सकते हैं।

रासायनिक खाद के उपयोग वाली फसलों से बचें
कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार शुष्क बागवानी के मूल सिद्धांत हैं कि पौधों की आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग किया जाए और ऐसी बागवानी डिजाइन और पौधों का चयन किया जाए जो उपलब्ध वर्षा जल का उपयोग कर सकें। इसके साथ ही ड्रिप और सिप्रंकलर सिंचाई व्यवस्था को भी अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे पानी की खपत को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही खेत के तालाबों और जल संचयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो सूखे की हालत में सिंचाई की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। किसानों को जरूरत के हिसाब से खेत के उन क्षेत्रों में सिंचाई किया जाना होगा, जिसे पानी की जरूरत ज्यादा हो। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

जलसंरक्षण और पौधरोपण पर दें ध्यान



व्यवस्था

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

कल्पना कीजिए, मानसून आया ही नहीं। खेत सूखे पड़े हैं, किसान चिंतित हैं और बाजार में सब्जियों-अनाज के दाम आसमान छू रहे हैं। यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि अल नीनो के दौरान भारत में कई बार हो चुकी सच्चाई है। अल नीनो एक प्राकृतिक घटना है। इसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का पानी अचानक गर्म हो जाता है। भारत में इसका सबसे ज्यादा असर दक्षिण-पश्चिम मानसून पर पड़ता है। बारिश कम होती है, सूखा पड़ता है, फसलें बर्बाद होती हैं और गर्मी और बढ़ जाती है। 2015-16 में जब मजबूत अल नीनो आया था, तब देश के कई राज्यों में भारी सूखा पड़ा। किसानों की फसलें सूख गईं, पानी की किल्लत हुई और खाद्य सुरक्षा पर संकट आ गया। अब जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो और भी ताकतवर हो सकता है। ऐसे में सवाल यह है कि इसके असर को कैसे कम किया जाए?

चेतावनी पहले, नुकसान बाद में

सबसे जरूरी है सही समय पर चेतावनी मिलना। भारतीय मौसम विभाग अमेरिका के राष्ट्रीय समुद्री एवं वायुमंडलीय प्रशासन के साथ मिलकर अल नीनो की निगरानी करता है। सैटेलाइट, समुद्र में लगे बुओय और कंप्यूटर मॉडल की मदद से कई महिने पहले पता चल जाता है कि अल नीनो आ रहा है या नहीं। बुओय समुद्र में तैरने वाला एक विशेष उपकरण होता है। यह एक प्रकार की 'तैरती निगरानी मशीन' है जो महासागर के बीच में लगाई जाती है। अगर किसान को पहले पता चल जाए कि इस साल बारिश कम होगी, तो वह अपनी फसल की योजना बदल सकता है।

भारत में आधी से ज्यादा आबादी अभी भी खेती पर निर्भर है। इसलिए कृषि को अल नीनो की मार से बचना सबसे बड़ा चुनौती है। किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। ड्रिप

और सिप्रंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है। खेतों में वर्षा जल संचयन, चेक डैम और फार्म पॉण्ड बनाकर पानी को रोकना और भूजल बढ़ाना चाहिए। अल नीनो सूखे का सबसे बड़ा कारण बनता है। इसलिए जल प्रबंधन को लेकर अब गंभीर कदम उठाने पड़ेंगे। नदियों के पूरे क्षेत्र में पानी का बेहतर प्रबंधन, भूजल का संरक्षण और गंदे पानी का दोबारा इस्तेमाल जरूरी है। शहरों में वर्षा जल संचयन को कानून से अनिवार्य बनाना चाहिए। वन और पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि पेड़

अनाज भंडारण तैयार रखना चाहिए। सरकार को लंबी अवधि की नीतियां बनानी होंगी। कृषि, जल संसाधन और विज्ञान मंत्रालयों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) जैसे मंचों पर सहयोग बढ़ाना चाहिए।विकसित देशों से बेहतर तकनीक और फंडिंग भी लानी होगी। छोटे किसानों को सक्सिडी, सस्ता कर्ज और प्रशिक्षण देना जरूरी है। मनरेगा को जल संरक्षण के कामों से जोड़ें। महिलाओं और आदिवासी समुदायों को



किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, ड्रिप और सिप्रंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है।

लगाना अल नीनो से लड़ने का सबसे सस्ता और असरदार तरीका है। पेड़ हवा में नमी बढ़ाते हैं, स्थानीय बारिश को बढ़ावा देते हैं और मिट्टी को कटने से बचाते हैं।

आपदा से पहले तैयारी जरूरी

अल नीनो सिर्फ सूखा नहीं लाता, बल्कि कभी-कभी भारी बारिश, बाढ़, जंगल की आग और बीमारियां (मलेरिया, डेंगू) भी बढ़ा देता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को और मजबूत बनाने की जरूरत है। गांव-गांव में समुदाय आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली होनी चाहिए। हर गांव में सूखा प्रबंधन योजना, फसल बीमा और आपात

खास ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि वे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा और स्मार्ट सेंसर वाली खेती भविष्य की राह हो सकती है।

पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनें

अल नीनो को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसके असर को निश्चित रूप से कम किया जा सकता है। एक बात जाने लें कि हर नागरिक को पानी बचाने, पेड़ लगाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। अगर आज हम सही कदम उठाएंगे, तो कल हमारे बच्चे अल नीनो जैसी चुनौतियों से कम डरेंगे।

आधुनिक कृषि तकनीकों से बढ़ेगी पैदावार



उत्पादन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

भीषण गर्मी के लंबे दौर के बाद देश के कुछ हिस्सों में भले ही छिटपुट बारिश शुरू हो गई हो, लेकिन लगातार बढ़ते तापमान ने कृषि क्षेत्र की चिंताओं को कम नहीं किया है। कई राज्यों में जमीन की नमी तेजी से घट रही है और कुछ क्षेत्रों में सूखे जैसी परिस्थितियां बनने लगी हैं। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि यही स्थिति आगे भी बनी रही, तो इसका सीधा असर खेती-किसानी, जल संसाधनों और प्राकृतिक हरियाली पर पड़ सकता है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहता। यहां अल नीनो का संबंध अक्सर कमजोर मानसून और कम वर्षा से जोड़ा जाता है। यही वजह है कि जब भी अल नीनो सक्रिय होता है, किसानों और कृषि विशेषज्ञों की चिंता बढ़ जाती है। भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां आज भी करोड़ों लोगों की आजीविका खेती पर निर्भर है। हालांकि सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन देश का एक बड़ा कृषि क्षेत्र अब भी मानसून की बारिश पर ही निर्भर है।

अच्छी बरसात पर निर्भर फसलें

ऐसे में मानसून का सामान्य रहना किसानों के लिए जीवन-रेखा के समान है। यदि सक्षम पर पर्याप्त वर्षा हो जाए तो फसलों की पैदावार अच्छी होती है, लेकिन बारिश कम होने पर उत्पादन प्रभावित होना तय है। भारत में सामान्य रूप से जून से सितंबर के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय रहता है और इसी अवधि में देश की अधिकांश वार्षिक वर्षा होती है। धान, मक्का, सोयाबीन, कपास, गन्ना और विभिन्न प्रकार की दालें जैसी प्रमुख फसलें मानसूनी बारिश पर काफी हद तक निर्भर करती हैं। यदि मानसून कमजोर पड़ जाए या बारिश का वितरण असमान हो, तो फसलों की वृद्धि प्रभावित होती है और उत्पादन में गिरावट आने लगती है। इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। अल नीनो को आसान भाषा में समझें तो मान लीजिए आपके घर में एक बड़ा पानी का टैंक है। यदि उसका पानी

अचानक सामान्य से अधिक गर्म हो जाए, तो उसके आसपास का वातावरण भी प्रभावित होने लगेगा। ठीक इसी तरह जब समुद्र का पानी गर्म होता है, तो हवा, बादलों और वर्षा के तौर-तरीके में बदलाव आने लगता है। फलस्वरूप, कई क्षेत्रों में बारिश कम हो जाती है और तापमान बढ़ जाता है। यही स्थिति मानसून को कमजोर कर सकती है। इसका प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता। यदि किसी क्षेत्र में सामान्य वर्षों की तुलना में कम बारिश होती है, तो मिट्टी में नमी की कमी हो जाती है। किसानों को बुवाई में देरी करनी पड़



मौसम और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। निस्संदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

सकती है या कई बार दोबारा बुवाई करनी पड़ती है। इससे उनकी लागत बढ़ती है और जोखिम भी। जलाशयों, तालाबों और भूजल स्तर पर भी इसका असर दिखाई देता है।

कृषि उत्पादन में कमी

कई इलाकों में पशुपालन और पेयजल व्यवस्था तक प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल नीनो वाले वर्षों में कृषि उत्पादन में कमी आने की आशंका बढ़ जाती है। जब पैदावार घटती है तो खाद्यान्न की उपलब्धता भी प्रभावित होती है। इसका असर बाजार पर पड़ता है और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने लगती हैं। महंगाई

बढ़ने से आम उपभोक्ता प्रभावित होते हैं, जबकि गरीब और ग्रामीण परिवारों पर इसका प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक पड़ता है। इस प्रकार अल-नीनो का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था और समाज पर दिखाई देता है। हालांकि राहत की बात यह है कि मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। इससे सरकारों,



कृषि विभागों और किसानों को आवश्यक तैयारियां करने का अवसर मिलता है। निस्संदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

वैकल्पिक संसाधनों का विकास

यदि इस वर्ष अल-नीनो का प्रभाव अपेक्षा से अधिक रहा, तो कृषि उत्पादन पर इसका असर दिखाई दे सकता है। इसलिए समय की मांग है कि हम केवल अच्छी बारिश की प्रतीक्षा करने के बजाय जल प्रबंधन, आधुनिक कृषि तकनीकों और वैकल्पिक संसाधनों के विकास पर गंभीरता से काम करें।

राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए मुकाबले के आसार खत्म, भाजपा ने दिए संकेत

भाजपा तीसरी सीट के लिए उम्मीदवार नहीं उतारेगी!

कांग्रेस में भी चल रहा मंथन, कमलनाथ का नाम आगे

कांग्रेस में कमलनाथ, नकुल के नाम पर विचार

विशेष प्रतिनिधि ►► गोपाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात के बाद संकेत मिले हैं कि अब पार्टी राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी।

इस संकेत के बाद राज्यसभा की इस सीट के लिए मुकाबले के आसार खत्म हो गए हैं। अब तक अटकलें लग रही थीं कि भाजपा द्वारा कांग्रेस के 6-7 विधायक तोड़ कर तीसरी सीट पर भी कब्जे की कोशिश करेगी। इस खबर से कांग्रेस में बेचैनी थी और भाजपा में तीसरी सीट के लिए संभावित प्रत्याशी को लेकर चर्चा तेज थी। अब ऐसी चर्चाओं पर विराम लग गया। प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रही हैं।

इनमें दो भाजपा और एक कांग्रेस के पास है। चुनाव के बाद भी यह स्थिति बरकरार रहने की संभावना है। विधानसभा में सदस्य संख्या के लिहाज से भाजपा को दो और कांग्रेस को एक सीट ही मिल सकती है।



भाजपा ने केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजा दावेदारों का पैल

खबर है कि प्रदेश भाजपा की ओर से राज्यसभा के लिए दावेदारों का पैल बनाकर केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजा जा चुका है। वहां से हरी झंडी के बाद प्रत्याशी घोषित हो जाएंगे। पैलन में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया, नरोत्तम मिश्रा, सुरेश पचौरी, राम निवास रावत, पूर्व सांसद जीएस डामोर, महिला कोटे से पूर्व मंत्री रंजना बघेल, दीनदयाल शोध संस्थान के अध्यक्ष अभय महाजन, झाबुआ के जनजातीय क्षेत्र में संघ का काम संभालने वाले महेश शर्मा, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य के नाम बताए जा रहे हैं। सुमेर सिंह सोलंकी और केंद्रीय राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन का कार्यकाल खत्म हो रहा है। इनका नाम भी दावेदारों में शामिल बताया जा रहा है।

कांग्रेस में एक सीट के लिए जम कर माथापच्ची चल रही है। खबर है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने को लेकर दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के बीच गंभीर विचार-मंथन हुआ है। मध्य प्रदेश के आगामी चुनावों और राजनैतिक समीकरणों को साधने के लिए पार्टी एक बार फिर अपने सबसे अनुभवी चेहरे पर दांव लगा सकती है। कमलनाथ का राजनीतिक कद और सूबे की राजनीति पर उनकी पकड़ को देखते हुए पार्टी के भीतर उनके नाम पर सहमति बनती दिख रही है।



पिछले दिनों कमलनाथ ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक के बाद से उनके नाम पर मुहर लगने की खबरों को और मजबूती मिली है। कमलनाथ अभी विधायक हैं। उनके राज्यसभा जाने पर बेटे नकुलनाथ विधानसभा का चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि भविष्य की राजनीति को देखते हुए नकुलनाथ को राज्यसभा भेजने

पटेल व अहिरवार के नाम चर्चा में

कांग्रेस में अन्य कई दावेदारों पर भी विचार

कांग्रेस में अकेले कमलनाथ और नकुलनाथ ही दावेदार नहीं हैं। दिग्विजय सिंह राज्यसभा में न जाने का ऐलान पहले ही कर चुके हैं, फिर भी समर्थक उनका नाम आगे बढ़ा रहे हैं। अन्य दावेदारों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, दलित नेता सज्जन सिंह वर्मा और प्रदीप अहिरवार शामिल हैं। हालांकि पटवारी भी कह चुके हैं कि वे राज्यसभा के लिए दावेदार नहीं हैं।

राज्यसभा चुनाव का शेड्यूल

राज्यसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान पहले ही हो चुका है। आयोग की अधिसूचना के मुताबिक, 1 जून से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। उम्मीदवार 8 जून तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को होगी। 11 जून को नाम वापस की अंतिम तारीख निर्धारित की गई है। वहीं 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक वॉटिंग होगी। इसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना शुरू होगी।

खबर संक्षेप

एक लाख 10 हजार किसानों को मिला पांच रुपए में पंप कनेक्शन
भोपाल। राज्य शासन द्वारा घोषित 'किसान कल्याण वर्ष 2026' के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों में किसानों को अब मात्र पांच रुपए में नए बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अब तक एक लाख 10 हजार 478 कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध करा दिए गए हैं। भोपाल रीजन के आठ जिलों के नौ हजार 305 गांवों में 85 हजार 362 कृषि पंप उपभोक्ताओं ने तथा ग्वालियर रीजन के आठ जिलों के सात हजार 284 गांवों में 25 हजार 116 कृषि पंप उपभोक्ताओं ने पांच रुपए में नवीन कनेक्शन योजना का लाभ उठाया है।

संपर्क अभियान में किया 40 हजार लोगों की शिकायतों का निराकरण
भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित 'संपर्क अभियान 2026' को सफलता मिली है। 14 मई से शुरू हुए इस विशेष अभियान के तहत भोपाल और ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में व्यापक स्तर पर एक हजार 422 विशेष शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 40 हजार 460 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर निराकरण किया गया। भोपाल रीजन में सबसे अधिक 112 शिविर भोपाल में आयोजित किए गए, जिसमें दो हजार 647 उपभोक्ताओं की शिकायतों का निराकरण किया गया।

आरटीओ में जल्द हो सकती है 40 कंप्यूटर ऑपरेटरों की नियुक्ति
भोपाल। भोपाल क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में जल्द ही परिवहन विभाग करीब 40 कंप्यूटर ऑपरेटर के पदों पर आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती करेगा। इससे आरटीओ में आवेदकों के लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन के पेंडिंग मामलों के निपटारे में तेजी आएगी। उल्लेखनीय है कि हर साल जहां कर्मचारियों के रिटायरमेंट होने व करीब तीन साल पहले स्मार्ट चिप कंपनी का टैंडर खत्म होने से कंपनी को हटा दिया था। इससे कंपनी के 50 से अधिक कर्मचारी एक साथ हट गए थे। तब से अभी तक कोई नई कंपनी को टैंडर नहीं दिया गया। ऐसे में आरटीओ में लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन के काम में देरी होने से काम अटक रहे हैं।

कहा- जल संरक्षण हमारा सामाजिक और पर्यावरणीय कर्तव्य जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य में देश का अग्रणी राज्य बना मप्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव



विशेष प्रतिनिधि ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल ही जीवन का मुख्य आधार है और हमारी पारंपरिक जल संरचनाओं को संरक्षित और संवर्धित करना हमारा परम सामाजिक और पर्यावरणीय कर्तव्य है। इसी पावन उद्देश्य के साथ राज्य में शुरू किया गया 'जल गंगा संवर्धन अभियान' आज केवल एक शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के सहयोग से सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में जल संरक्षण और पुनर्जीवन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है, जिसके अंतर्गत अब तक रिकॉर्ड 2 लाख से अधिक जल संरचनाओं का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश जल सहेजने के इस पुनीत कार्य में पूरे देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

सामाजिक, पर्यावरणीय, शैक्षणिक स्तर पर भी प्रयास

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सामाजिक, पर्यावरणीय और शैक्षणिक स्तर पर भी विशेष प्रयास किए गए हैं। वाटरशेड प्रबंधन के तहत 4,822 कार्यों को पूर्ण किया गया है, जिससे भूमिगत जल स्तर में वृद्धि सुधार होगा। वहीं, स्कूलों में स्वच्छता और शुद्ध पेयजल सुनिश्चित करने के लिए 5,275 पानी की टैंकियों की सफाई का कार्य संपन्न कराया गया है। इसके अलावा, 'जल संसद जल बंधन 2.0' पहल के तहत 21.23 लाख से अधिक कार्यों का सफल पंजीकरण किया गया है, जिसमें समय पर कार्य पूर्ण करने की उल्लेख दर 91.3 फीसदी दर्ज की गई है। डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय प्रदेश की जागरूक जनता, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समर्पित प्रशासनिक अमले को देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश का यह सशक्त जल प्रबंधन मॉडल पूरे देश के लिए एक नई और अनुकरणीय दिशा तय करेगा।

यह सिर्फ रिकॉर्ड उपाजन नहीं, बल्कि कांग्रेस के दुष्प्रचार की पोल खोलता है: खंडेलवाल

मप्र में गेहूं के रिकॉर्ड उपाजन पर प्रतिक्रिया देते हुए शुक्रवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार निरंतर ऐतिहासिक कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार की किसान हितैषी नीतियों, पारदर्शी व्यवस्था के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश ने इस वर्ष गेहूं उपाजन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए देश में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों को सुविधाजनक खरीदी व्यवस्था मिली। प्रदेश में निर्धारित 100 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य को पार करते हुए 104 लाख 22 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का रिकॉर्ड उपाजन हुआ, जो किसानों के विश्वास और सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह केवल रिकॉर्ड उपाजन नहीं, बल्कि कांग्रेस द्वारा फैलाए गए भ्रम और दुष्प्रचार को भी पोल

कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में हुई जल क्रांति

ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों में जल आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए रिकॉर्ड 57,794 खेत तालाब और 91,838 डग वेल रिचार्ज (कुआं पुनर्भरण) संरचनाओं का निर्माण व जीर्णोद्धार किया गया है। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक और नए जल स्रोतों को सहेजने के उद्देश्य से 29,906 जल संरक्षण एवं पुनर्भरण संरचनाओं तथा 126 भव्य 'अमृत सरोवरों' का कार्य शत-प्रतिशत पूरा किया जा चुका है। सिंचाई के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 1,152 विशेष सिंचाई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और पुरानी जल संरचनाओं के पुनर्जीवन के लिए 2,721 मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है।

लघु एवं सीमांत किसानों को मिला सबसे अधिक लाभ

खंडेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने इस वर्ष विशेष रूप से लघु एवं सीमांत किसानों को प्राथमिकता देते हुए खरीदी व्यवस्था को मजबूत बनाया। प्रदेश में 13 लाख 41 हजार 266 से अधिक किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदा गया, जिनमें 8 लाख से अधिक सीमांत एवं लघु किसान शामिल हैं। किसानों को 2585 रुपए प्रति विंटल समर्थन मूल्य तथा 40 रुपए प्रति विंटल बोनास सहित 2625 रुपए प्रति विंटल की दर से मुगलान किया गया है।

395 आईएएस को एक माह में करना होगा अप्रेजल रिपोर्ट का सेल्फ असेसमेंट

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

मध्यप्रदेश के 395 आईएएस अफसरों को वर्ष 2025-26 के लिए अपने परफार्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट का स्वमूल्यांकन 30 जून तक करना होगा। पहले यह अवधि 31 मई तक थी, राज्य सरकार ने इसमें एक माह का इजाफा कर दिया है। केंद्रीय कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के पीएआर लिखे जाने के लिए समयसीमा सभी स्तरों पर एक माह बढ़ा दी है। अब रिपोर्टिंग अधिकारी 31 अगस्त तक इस पर अपनी टिप्पणी लिखकर देंगे।

रि्यू करने वाले उच्च अधिकारी पीएआर पर अपना मत 31 अक्टूबर तक अंकित करेंगे। समय पर पीएआर पर मत अंकित नहीं करने वाले अफसरों पर भी कार्रवाई की जाएगी। परफार्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट स्वीकार करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2026 तक रहेगी। तय समयसीमा में कार्य स्वमूल्यांकन, मतांकन नहीं करने पर कार्यवाही अपने आप अगले स्तर पर बढ़ जाएगी।

उरगा थाना क्षेत्र का मामला, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार प्रेमिका से किया शादी का वादा, पीड़िता के गर्भवती होने पर कर लिया दूसरा विवाह

हरिभूमि न्यूज ►► कोरबा

जिले के उरगा थाना क्षेत्र में प्यार में धोखे का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शादी का झांसा देकर एक युवक ने युवती को 7 महीने तक पत्नी बनाकर अपने घर रखा। इस दौरान युवती 5 माह की गर्भवती हो गई। गर्भवती होने के बाद आरोपी ने उसे आराम करने के बहाने मायके भेज दिया और खुद दूसरी युवती से शादी रचा ली। मामले का खुलासा होने पर पीड़िता आरोपी के घर पहुंची, जहां पति-पत्नी और युवती के बीच जमकर विवाद हुआ। पीड़िता की शिकायत पर उरगा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार

कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी कृष्णा खन्ना, उम्र 26 वर्ष, उरगा थाना क्षेत्र के खोडल गांव का निवासी है और पेशे से ड्राइवर है। पीड़िता की मुलाकात आरोपी से मंदिर में दर्शन के दौरान हुई थी। वहीं बातचीत के दौरान युवक ने युवती का मोबाइल नंबर ले लिया। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर बात होने लगी। बातचीत दोस्ती में बदली, दोस्ती प्यार में और फिर युवक ने शादी का झांसा दिया। आरोपी युवती को अपने घर ले आया और पत्नी की तरह 7 महीने तक साथ रखा। इस दौरान युवती गर्भवती हो गई। जब वह 5 माह की गर्भवती हुई तो आरोपी ने उसे आराम करने की बात कहकर मायके भेज दिया।

पति-पत्नी और पीड़िता के बीच जमकर हुआ विवाद

कुछ दिन बाद युवती को पता चला कि आरोपी ने दूसरी लड़की से शादी कर ली है। यह सुनकर पीड़िता सीधे आरोपी के घर पहुंच गई। वहां आरोपी, उसकी नई पत्नी और पीड़िता के बीच जमकर कहासुनी और विवाद हुआ। पीड़िता ने पूरे मामले की शिकायत उरगा थाने में दर्ज कराई। कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी कृष्णा खन्ना के खिलाफ धारा 376 के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल कर दिया गया है।

न्यायालय में पारिवारिक विवाद ने लिया हिंसक रूप कोर्ट में पेशी पर पहुंचे दो भाइयों के बीच मारपीट, धारदार हथियार से किया हमला

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

जिला न्यायालय परिसर में शनिवार को एक पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। कोर्ट में पेशी के लिए पहुंचे दो भाइयों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि एक ने दूसरे पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। घटना के बाद न्यायालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भीड़ जमा हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों भाई किसी मामले में अदालत पहुंचे थे। इसी दौरान उनके बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि एक भाई ने अचानक धारदार हथियार निकालकर दूसरे पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है।



पुलिस कर रही मामले की जांच

वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची। सुरक्षा व्यवस्था को संभालते हुए पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद को घटना की वजह माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

विशेष टीम का पुनर्गठन करते हुए सौंपी व्यापक जिम्मेदारियां, पुलिस कमिश्नर कार्यालय से आदेश किया जारी

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स नए सिर से तैयार, नशे के खिलाफ उठाएगा प्रभावी कदम

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

बढ़ती नशीले पदार्थों की गतिविधियों और संगठित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस विभाग ने एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को नए सिर से तैयार किया है। पुलिस कमिश्नर कार्यालय द्वारा जारी आदेश के तहत विशेष टीम का पुनर्गठन करते हुए उसे व्यापक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

नई टीम में कुल 11 पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है। टीम की कमान निरीक्षक सुनील दास को सौंपी गई है, जबकि उनके साथ एक उप निरीक्षक, दो हवलदार और सात आरक्षक तैनात किए गए हैं। यह टीम राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में नशीले

पदार्थों की तस्करी, अवैध कारोबार तथा अपराध से जुड़े नेटवर्क पर नजर रखेगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, टीम को खुफिया जानकारी जुटाने, सटिच गतिविधियों की निगरानी करने और आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही विभिन्न थाना क्षेत्रों से समन्वय स्थापित कर नशे के कारोबार से जुड़े मामलों में विशेष अभियान चलाए जाएंगे। पुलिस मुख्यालय का मानना है कि पुनर्गठित टास्क फोर्स के सक्रिय होने से नशे के अवैध नेटवर्क पर प्रभावी प्रहार किया जा सकेगा। आने वाले समय में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में संयुक्त अभियान चलाकर मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

अवैध शराब बिक्री की शिकायतें मिलने पर थाना प्रभारी निलंबित

रायपुर। अवैध शराब कारोबार पर नियंत्रण को लेकर पुलिस विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र में लगातार मिल रही शिकायतों और हालिया घटनाक्रम के बाद थाना प्रभारी दीपेश जायसवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में रायपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिंह ने आदेश जारी किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गोबरा नवापारा क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब बिक्री की गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। संबंधित अधिकारियों द्वारा थाना स्तर पर निगरानी बढ़ाने और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में अवैध कारोबार जारी रहने की जानकारी सामने आती रही।

निगरानी बढ़ाने के निर्देश के बावजूद थम नहीं रही गतिविधियां



छापेमारी के दौरान व्यवहार पर उठे सवाल

मामला उस समय और गंभीर हो गया जब एसोसीएच की ग्रामीण टीम ने 29 मई को क्षेत्र में छापेमारी कर अवैध शराब बिक्री का खुलासा किया। कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी भी मौके पर पहुंचे थे। विभागीय स्तर पर जांच में उनके व्यवहार और कार्रवाई के दौरान अपनाए गए रवैये को लेकर सवाल उठे। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस अधीक्षक ने माना कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार पर पुलिस नियंत्रण नहीं हो सका। साथ ही कार्रवाई के दौरान प्रदर्शित आचरण को भी गंभीरता से लिया गया।

सदी के अंत तक इंसानों की उम्र 150 साल तक पहुंच सकती है

जीन थेरेपी पर भी काम शुरू

रूसी सरकार का लक्ष्य 2030 तक मानव अंगों के ट्रांसप्लांटेशन को व्यावहारिक रूप देना है। हाल ही में रूस ने एक नई जीन थेरेपी पर भी काम शुरू किया है, जिसका मकसद कोशिकाओं की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करना है।

महासागर आज भी रहस्य बने हुए हैं, क्योंकि ईसांनों के अंदर मौजूद क्षेत्रों का केवल 5-10 प्रतिशत हिस्से को ही एक्सप्लोर और स्टडी किया है। वहीं, ग्लोबल सी फ्लोर का केवल 28.7 प्रतिशत हिस्से को ही मैपिंग की गई है। इसका अधिकतर हिस्सा अभी भी उन प्रजातियों और संरचनाओं का घर है, जिन्हें अभी तक नहीं देखा गया है।

अंडरवॉटर या सबमरीन वॉल्कैनो धरती के मैग्मा आउटपुट का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं।

इंसान में होती है तीसरी आंख! वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला खुलासा

चंद्रयान-2 ने चांद के सबसे अंधेरे कोने में ढूँढ निकाली बर्फ की चादर

वधु चाहिए

बंगाली कायस्थ विधुर
पुरुष उम्र 54 वर्ष के लिए
एक तलाकशुदा, विधवा
महिला की आवश्यकता है
हिंदी भाषी एवं सभी वर्ग
की, जाति बंधन नहीं

:: संपर्क करें ::

9300512198

7024352318

वधु चाहिए

असवाल, मोरङ - नौमल
उम्र - 34, हाइट 5' - 10"
व्यावस्थायी सुवक्त
खंडवा (M.H.) निवासी
घर के लिए सेजुएट
एवं मुहकर्म में दक्ष
वधु चाहिए।
तलाकशुदा भी मान्य।
सर्व वित्त साह्य।

वधु पक्ष कोर्ट, बलोजरा बल्लभपुर करें
931604310, 9300328290
मैरिज ब्यूरो खमा करें

ग	प	न	म	च	ल	न
ख	का	ली	न	त	ड	न
क	रा	र	का	ल	क	न
	दे	श	त	न	य	न
	पा	ना	गा	क		
व	न	चा	ल	च	ल	न
ग	च	र		ह	म	
क	द	म		क	स	क
	क	रा	ह	ना	य	न
न	बा	दा	र	ना	या	न
र	र	च	ना	का	र	

वैज्ञानिकों ने इस शोध कोई नए प्रयोग नहीं किया। शोधकर्ताओं ने मछलियों, तैली (एक प्रकार मछली) और अन्य जीवीक अनुवैश्विक डेटा, जीवाश्मों और मौजूद अध्ययनों का विश्लेषण किया है। इससे पता चला है कि इसका की आंखें और पित्तिल ब्लैड का विकास अलग-अलग नहीं हुआ है, बल्कि एक ही प्रकार संरचना से विकास हुआ है। अभी भी कुछ ऐसे जीव हैं, जिन्हें तैसीरी आंखें साफ दिखती हैं। म्यूजीनो ने पाए जाने वाला उदाहरण नाम को सरीसृप सबसे बेहतर और अद्वितीय है।

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लसीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कार्यालय कार्यापालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, सिवनी (म.प्र.) निर्माण भवन, प्रथम तल, कलेक्टर केम्पस, जिला - सिवनी (मध्यप्रदेश) दूरभाष क्र. 07692-225559 E-mail:-dpepiu.seoni@mp.gov.in, dpepiuseoni@gmail.com							
एनआईटी नं.-15/2026/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/जी/मु.अ.(म)				जबलपुर दिनांक 20.05.2026			
निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उद्युक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-							
स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएससी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWPIU_509817_1	शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सिवनी में नवीन भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	सिवनी (म.प्र.)	971.72	971720.00	20000.00	18 माह
2	2026_PWPIU_510037_1	शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सिवनी में 50 सीटर बालक छात्रावास का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	सिवनी (म.प्र.)	337.50	337500.00	15000.00	16 माह
3	2026_PWPIU_510045_1	शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सिवनी में 50 सीटर बालिका छात्रावास का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	सिवनी (म.प्र.)	337.80	337800.00	15000.00	16 माह
4	2026_PWPIU_510050_1	शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सिवनी में 500 सीटर क्षमता के मल्टीपार्पज हॉल का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	सिवनी (म.प्र.)	325.77	325770.00	15000.00	16 माह
5	2026_PWPIU_510063_1	शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सिवनी में इन्डोर स्पोर्ट्स सिवनी हॉल का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	सिवनी (म.प्र.)	277.75	277750.00	15000.00	16 माह

1- निविदा से संबंधित बिड हॉवप्रसेड बेवसाईट <http://mptenders.gov.in> पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेगे। 2- निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट/ कैशकार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3- निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 23.05.2026 से दिनांक 06.06.2026 तक खरीदा जा सकेगा। अन्य जानकारी बेवसाईट पर देखी जा सकती है। 4- निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यापालन यंत्री (भवन)
G-13675/26
स्वच्छता ही सेवा
लोक निर्माण विभाग, सिवनी (म.प्र.)

कार्यालय अधिष्ठाता
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल कालेज जबलपुर

क्रमांक : 5218 **जबलपुर, दिनांक: 26/05/2026**

निविदा सूचना

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर द्वारा एक अनुपयोगी / अपलेखन योग्य शासकीय वाहन के विक्रय हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक एवं पात्र निविदाकार निर्धारित शर्तों के अनुसार ऑनलाइन निविदा <https://mptenders.gov.in/> पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

अधिष्ठाता
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस
मेडिकल कालेज जबलपुर

G-13677/26

 महात्मा गांधी कृषि वृत्त योजन विवतविवालय वृत्तवृत्त, सतना, (म. प्र.) मध्य प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित 'NAAC'-A++ और UGC श्रेणी-कविवृत्तविवालय 				
प्रवेश सूचना: 2026-27 (सामृतीय शिषा नीति 2020 के अनुसार) संशोधित - 25/05/2026				
E-SAMARTH एडमिशन पोर्टल के माध्यम से, वृत्तविवालय के निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। वी.एच.डी. पाठ्यक्रम कृषि: एनोनी, बायोमैथेन, एलीकेशन एवरेलेशन, हॉर्टकलर (सखी विज्ञान), मृदा विज्ञान, पशुपालन और डेयरी (L.P.M.) आर. वी. वी. ए. व्यवसाय प्रबंधन, मनीषा प्रबंधन, विज्ञान- भू-विज्ञान, रिमोटे सेंसिंग एण्ड वी.आई.एस. गणित, भौतिकी, सांख्यिकी; कला: हिंदी, संगीत, मनोविज्ञान, संस्कृत, समाज कार्य; इंजीनियरिंग: मैकेनिकल इंजीनियरिंग				
संकाय	सतना पाठ्यक्रम	सतना कलर (पाठ्यक्रम)	डिलोमा/सर्तिका	
कृषि संकाय	वी.एस.सी. (ऑनर्स) कृषि (PAT प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश)	एम.एस.-सी. (कृषि) (एनोनी/बी.एच.के.एन/एवरेलेशन, हॉर्टकलर (सखी विज्ञान), मृदा विज्ञान)		
कला संकाय	वी.लिंग.आई.एस.-सी., वी.ए. (मानव जेनस और योग विज्ञान), वी.ए. (All Subject) वी.जे.एस.सी., वी.ए.डब्ल्यू. वी.एस.सी. (पीएन.एलाइड आर्ट, स्वतंत्रता) वी.पी.ई.एस. (बैथलर ऑफ फिजिकल एडुकेशन एंड स्पेट), वी.पी.ई. (बैथलर ऑफ परफॉर्मांस आर्ट वोकल एंड थबला), वी.ई.एस. स्पेसल (हडिथापित) वी.पी.ई.एस. स्पेसल शिक्षा (हडिथापित)	एम.एस.डब्ल्यू.एम.लिंग.आई.एस.-सी., एम.जे.एम.सी., वी.ए. अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, हिंदी, संस्कृत, इतिहास, एलाइड मनोविज्ञान, खेल मनोविज्ञान, वी.एम.एस.सी. (ड्राइंग-पेंटिंग), एम.पी.ए. (थबला), एम.एस.ए. (पीटिंग, एलाइड आर्ट, स्वतंत्रता)	डिलोमा/पी.डी.डिलोमा: पी.डी. डिलोमा इन योग एंड मुनोप्रेरित, डिलोमा इन कर्मशास्त्र, डिलोमा इन ज्योतिष, डिलोमा इन वातुशास्त्र	
विज्ञान और पर्यावरण संकाय	वी.सी.पी., वी.एस.-सी. (जीव प्रौद्योगिकी, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भू-विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, पर्यावरण, गणित, भौतिकी, सांख्यिकी, प्राणि विज्ञान)	एम.एस.-सी. (एलाइड भू-विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, पर्यावरण विज्ञान, डिऑनोमार्सेटिड, आधुनिक रसायन, गणित, भौतिकी, रिमोटे सेंसिंग एण्ड वी.आई.एस., प्राणि विज्ञान)	डिलोमा: वी.सी.पी. वी.पी.डी. वी.सी.पी.	
आर.वी. वी.एस. संकाय	वी.कॉम., वी.पी.ए.	एम.कॉम., एम.पी.ए. (कृषि व्यवसाय प्रबंधन/प्राणी प्रबंधन)		
अध्यापिका वी.ए. प्रौद्योगिकी संकाय	वी.टी.क/वी.टी.क. लेटरल इण्ट्री। सी.सेमेटर (खाद्य प्रौद्योगिकी, कृषि अभियांत्रिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, निविड इंजीनियरिंग), इंडीपेंडेंट वी.टी.क-एस.क. कम्प्यूटर साइंस (5 कर्षा)	एम.एस.-सी. (एलाइड भू-विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, पर्यावरण विज्ञान, डिऑनोमार्सेटिड, आधुनिक रसायन, गणित, भौतिकी, रिमोटे सेंसिंग एण्ड वी.आई.एस., प्राणि विज्ञान)	एम.टी.क. कम्प्यूटर साइंस (ए.आई. एण्ड एम.एस.)	
डी.डी. यू. के. के.	वी.कॉम. (खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी)	एम.डोक. (कृषि संवातन और प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी)		
एविएशन पाठ्यक्रम	वी.डी.ए. (एविएशन एण्ड हॉस्पिटैलिटी) एअरपोर्ट मैनेजमेंट, एविएशन लॉजिस्टिक्स एण्ड कर्षा मैनेजमेंट, ड्रोन एंड आड, एण्ड रोटोविंग, एविएशन सिविलिटी एण्ड सेपटी, ड्रोन इन्फर्नी-वीरिंग एण्ड एविएशन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, वी.एस.-सी. (एविएशन साइंस, एरोनॉटिकल साइंस)	एम.डी.एस. डिप्लोमा इन केबिन क, डिप्लोमा इन एअरपोर्ट एअरन अपरेशन, डिप्लोमा इन ड्रोन अपरेशन सर्टिफिकेट: तीन माह: एयरलाइन रीप एजीक्यूटिव, एयरलाइन सिविलिटी एजीक्यूटिव, एयरपोर्ट ऑपरेशन एण्ड टर्मिनल मैनेजमेंट, एयरपोर्ट हॉस्पिटैलिटी एण्ड कररर मैनेजमेंट, एयर कर्षा ऑपरेशन एण्ड मैनेजमेंट, एविएशन सिविलिटी एण्ड सेपटी, ग्राउंड सर्वेड इंडियनपेट, ड्रोन मैनेजमेंट एण्ड रिपेर, ड्रोन सर्वेड, वी.आई.एस. एण्ड स्मार्ट ड्रोनकरर, काउटर-ड्रोन एण्ड एटी-यू.पी.टी.टेक्नोलॉजी थ्रु माह: एयरलाइन केबिन क, एयरलाइन करररर सॉरिस एजीक्यूटिव, एयरपोर्ट सेपटी क, एयरलाइन कर्षा असिस्टेंट, किसान ड्रोन ऑपरेटर, ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग एण्ड असंबली टेक्नीशियन थ्रु सॉरिस टेक्नीशियन एण्ड मैनेजमेंट		

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ :-	ऑनलाइन आवेदन पर की लिक ओपन तिथि - 25 मई 2026 आवेदन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि - 15 जुलाई 2026
आवेदन/पंजीकरण शुल्क	स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पी-एच.डी.
सामान्य/ओपी सी. अभ्यास के लिए	₹. 600/- ₹. 1000/-
मुख्य प्रवेश के एस.सी./एस.टी. और समीक्षित ला अभ्यास के लिए	₹. 300/- ₹. 500/-
प्रवेश परीक्षा: पी-एच. टी. एवं एम. एस.सी. (कृषि) दिनांक: 30 जुलाई 2026, प्रवेश परीक्षा क्षेत्र: विश्वविद्यालय परिवर	
Instructions:- 1. उम्मीदवार E-SAMARTH एडमिशन पोर्टल पर (https://gramodayachitrakootadm.samarth.edu.in/) के माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित है, तथा ऑनलाइन/फैटिल करके डाटा दर्ज करना शुरू भुगतान कर सकते हैं। अभियन्ता द्वारा निर्धारित सभी सुविधा विवरणों का अध्ययन करें कि यहाँ स्टूडेंट हेल्प-डेस्क पर भी उपलब्ध है। 2. निम्नलिखित पाठ्यक्रम में जोड़ा है लिए लिए, गणित, वास्तु, गुरुकुल आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.gramodayachitrakoot.ac.in) पर एडमिशन ऑप्शनस पर 2026 पर 2 उपलब्ध है। 3. एक प्रवेश प्रमाण पत्र (राजस्थान में 50% अंक: बी.एस.डी. बी.एस.डी. बी.एस.डी. बी.एस.डी.) को छात्र पर प्राप्त कर सकते हैं, प्रवेश के लिए यह नहीं है। 4. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश Common University Entrance Test (CUE) 2026 और विश्वविद्यालय की प्रत्यक्ष प्रवेश प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। 5. जीकराक के तुरंत बाद विश्वविद्यालय परिसर में दस्तावेज़ सत्यापन प्रक्रिया पूरी करनी आवश्यक है। 6. अन्य जानकारी के लिए कष्ट निम्नलिखित नंबर - 07670.265394 पर ई-मेल- helpdesk@gramodayachitrakoot.ac.in पर संवाद कर सकते हैं।	
Registrar	

सुडोकू नवताल - 6252

कठिनताम

		8			4				
1									9
3				2				5	
			1					8	
		5				4			
7					9				
	6			3					2
9									1
			8			7			

■ **प्रायिके पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.**

■ **प्रायिके आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.**

■ **पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.**

■ **पहेली का केवल एक ही हल है.**

सुडोकू नवताल - 6251 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

MANGAL SAMACHAR BANZAR/CE

वज्र टोम: हश्मगुल्लाह शहीदी (कप्तान), रहमगुल्लाह गुरखाज, दिक्दिक्ताए), इस्लाम जादवान, सेदिकगुल्लाह अउर, बरविश रसूल, इक़राम शाह, इकराम अलीखिल (विशिकताए), मोहम्मद नबी, अजमगुल्लाह अउरअंश, राईश खान, नोनीयालिया खारोटे, अल्लाह नाननकर, जिया उर रहमान, फ़रीद मलिक और बिलाल सामी। रिजर्व खिलाडी: कैस अहमद, सलीम साफी और बशीर अहमद।

रेड टोम: हश्मगुल्लाह शहीदी (कप्तान), अब्दुल मलिक, सेदिकगुल्लाह अउर, शहाद शाह, रहमगुल्लाह गुरखाज, दिक्दिक्ताए जादवान, अफ़सर जन्गई (दिक्दिक्ताए), इकराम अलीखिल (दिक्दिक्ताए), अजमगुल्लाह अउरअंश, फ़रफ़्दून अफ़सर, नोनीयालिया खारोटे, कैस अहमद, बिलाल सामी, जिया शरीफी और सलीम सामी। रिजर्व खिलाडी: बशीर अहमद, बशीर शाह और इस्मत आलम।

हाई कोर्ट ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

जबलपुर। मप्र हाई कोर्ट में एक याचिका के जरिए कान्हा नेशनल पार्क में बाघों की मौत हो चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 तथा राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के द्वारा निर्धारित मापदंड का पालन नहीं किया जाने के कारण बाघों की मौत में इजाफा हुआ है। जस्टिस विवेक जैन व जस्टिस एके निरंकारी की डिवीजन बेंच ने अनावेदकों को नोटिस जारी करते हुए बाघों की मृत्यु के मामले में उनके द्वारा उठाए गए निवारक और उपचारात्मक उपायों के संबंध में विशिष्ट कथन प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए हैं। अगली सुनवाई 22 जून को निर्धारित की गई है।

मुम्बई अंतर्गत चेम्बरु निवासी अधिवक्ता सुब्रत चक्रवर्ती की ओर से अधिवक्ता अंशुमान सिंह व प्रतीक रूसिया ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि कान्हा टाइगर रिजर्व में लगातार बाघों की मौत हो रही है। अप्रैल माह में कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघिन टी-122 (सुनैना) और बाघिन टी-141 (अमाही) और उसके चार अर्ध-वयस्क शावक की मौत हो गयी। रिपोर्टों के अनुसार मौतों से पहले उनकी शारीरिक स्थिति में स्पष्ट गिरावट देखी

कान्हा नेशनल पार्क में बाघों की मौत को चुनौती



गयी गयी। इन मौतों का कारण संदिग्ध कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) माना गया। एक और युवा नर बाघ टी-220 (महावीर) की भी 19 मई 2026 को मृत्यु हो गई। उसकी मृत्यु का कारण संभावित सीडीव्ही बताया गया है। इसी समय-सीमा के दौरान दो वयस्क नर बाघ बालाघाट और किसली क्षेत्रों में मृत पाए गए। अकेले कान्हा टाइगर रिजर्व में ही एक महीने के समय में आठ बाघों की मौत हुई है।

लुप्तप्राय रायल बंगाल टाइगर की आबादी की सुरक्षा महत्वपूर्ण

याचिका में कहा गया है कि कान्हा टाइगर रिजर्व में लुप्तप्राय रायल बंगाल टाइगर की आबादी की सुरक्षा करना है। इसके लिए वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 ,प्रोजेक्ट टाइगर व एनटीसीए दिशानिर्देशों और मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत बाघों की मौतों की वैज्ञानिक निगरानी, रोग निगरानी और जांच को नियंत्रित करने वाले वैधानिक और प्रशासनिक ढांचे का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना है। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 तथा राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए बाध्यकारी मानक और परिचालन निर्देशों का पालन करना है। जिनमें निगरानी, रोग निगरानी, पशु चिकित्सा सेवाएं और अविभाज्य मुख्य आवासों के प्रबंधन से संबंधित निर्देश शामिल हैं। याचिका में कहा गया है कि टाइगर रिजर्व के भीतर निगरानी, जैव-सुरक्षा और इंटरफ़ेस-प्रबंधन उपायों की पूर्ण प्रकृति, सीमा और कार्यान्वयन की स्थिति के संबंध में कोई सार्वजनिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। निर्धारित प्रोटोकाल के दिशानिर्देशों वैधानिक दायित्वों के अनुरूप बनाए गए हैं। याचिका में राहत चाही गयी है कि निवारण और निगरानी संबंधी उपायों का पालन सुनिश्चित किया जाये। याचिका में केंद्रीय पर्यावरण सचिव, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा डायरेक्टर कान्हा टाइगर रिजर्व को अनावेदक बनाया गया है। याचिका की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने उक्त निर्देश जारी किए।

तलाकशुदा बेटी को परिवार की परिभाषा से बाहर नहीं रखा जा सकता

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा कि तलाकशुदा बेटी को परिवार की परिभाषा से बाहर नहीं रखा जा सकता। यदि अविवाहित, विधवा और विवाहित बेटियों को परिवार का सदस्य माना जाता है तो केवल वैवाहिक स्थिति बदल जाने के आधार पर तलाकशुदा बेटी को इस अधिकार से वंचित करना संविधान के समानता के सिद्धांत के खिलाफ होगा। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने कहा कि ऐसा करना अनुच्छेद 14 के तहत प्रदत्त समानता के अधिकार का उल्लंघन है।कोर्ट ने संबंधित विभाग को निर्धारित समय सीमा में याचिकाकर्ता को फैमिली पेंशन का लाभ देने के निर्देश

हाईकोर्ट का अहम फैसला

दिए हैं। जबलपुर निवासी ज्योति श्रीवास्तव ने याचिका दायर कर कोर्ट को बताया कि उसके पिता शंकर लाल श्रीवास्तव होमगार्ड विभाग में जिला कमांडेंट थे।वर्ष 2001 में सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने अपनी तलाकशुदा बेटी को फैमिली पेंशन के लिए नॉमिनी बनाया था, क्योंकि वह उन पर आश्रित थी।पिता के निधन के बाद जब पेंशन लाभ का मामला सामने आया तो विभाग ने यह कहते हुए आवेदन निरस्त कर दिया कि तलाकशुदा बेटी परिवार की श्रेणी में नहीं आती। इसके बाद ज्योति ने

हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि पेंशन नियम 1976 में अविवाहित, विधवा और विवाहित बेटियों को परिवार का सदस्य माना गया है। ऐसे में तलाकशुदा बेटी को अलग श्रेणी में रखकर अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि कानून की व्याख्या सामाजिक वास्तविकताओं और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप होनी चाहिए।आज बड़ी संख्या में महिलाएं तलाक के बाद अपने मायके और माता-पिता पर निर्भर रहती हैं।ऐसी स्थिति में केवल नियमों में नाम का उल्लेख न होने के आधार पर उन्हें अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता।



जिला अस्पताल के नए भवन का निरीक्षण, गुणवत्ता पर जोर

जबलपुर। अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल एवं स्वास्थ्य आयुक्त धनराज एस ने शनिवार को जिला अस्पताल के निर्माणधीन नवीन भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने अस्पताल की ओपीडी, माइक्रोबायोलॉजी लैब, पैथोलॉजी विभाग और जिला औषधि भंडार का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले प्रत्येक मरीज को आना आईडी बनाई जाए ताकि उन्हें डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अस्पताल परिसर में दुष्प्रयोग कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

8 दो पहिया वाहन जले, 10 लाख का नुकसान रुपरानी के बाड़े में देर रात भड़की आग

जबलपुर। शहर के घनी आबादी वाले इलाके मिलौनीगंज के रूपरानी के बाड़े में कल शुक्रवार देर रात शांट सर्किट से अचानक आग भड़क उठी। इस आग में बाड़े में रहने वाले दीपिका गुप्ता, उमाशंकर सोनी, राजेश ठाकुर, ब्रजेश श्रीवास्तव और रिकू रैकवार सहित अन्य स्थानीय निवासियों के घरों के बाहर खड़े 8 वाहन जलकर खाक हो गए। हालांकि सूचना पाकर पहुंचे नगर निगम दमकल दल ने लगभग 8 गाड़ी पानी उडेलकर आग पर काबू पाया परंतु तब तक 8 दोपहिया पूरी तरह खाक हो चुके थे। नगर निगम दमकल विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे मिलौनीगंज के रूपरानी के बाड़े में शांट सर्किट के कारण भड़की आग की लपटों ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया था। वाहनों के टायरों में हुए धमाकों और धुएं के गुबार से पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। इस दौरान एक मकान में फंसे परिवार ने छत का छप्पर तोड़कर किसी तरह अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही नगी निगम दमकल की 8



गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और संकरी गलियों की चुनौतियों के बावजूद कुछ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में लगभग 10 लाख रुपये से अधिक के नुकसान होने का अनुमान है।

मकान की छप्पर तोड़कर बाहर निकले लोग- इस हादसे में न केवल घर के बाहर रखे

गाय शव परीक्षण के बाद दी गई इस दूसरी रिपोर्ट में बाघ के शरीर की आंतरिक स्थिति को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारीयां सामने आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मृत बाघ की मांसपेशियां पूरी तरह पीली और सूखी पाई गईं। इसके अलावा उसका पाचन



तंत्र भी पूरी तरह से खाली था तथा शरीर की त्वचा खुरदरी और बेजान हो चुकी थी। बाघ के दाहिने कंधे पर एक डॉट का निशान भी मिला था, लेकिन उस स्थान से बिल्कुल भी खून नहीं बहा था। इससे यह पूरी तरह साफ हो गया है कि यह डॉट बाघ की मौत हो

श्रीधाम एक्सप्रेस एलएचबी कोच के साथ रवाना

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल से गुजरने वाली जबलपुर-निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस को अब एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच के साथ चलाने का फैसला लिया गया है। जिससे यात्रियों को अधिक सुरक्षित और आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा। रेलवे प्रशासन के अनुसार गाड़ी संख्या 12192 जबलपुर-निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस 30 मई 2026 से जबलपुर से एलएचबी रैक के साथ रवाना हुई। वहीं, गाड़ी संख्या 12191 निजामुद्दीन-जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस 31 मई 2026 से निजामुद्दीन से एलएचबी कोच के साथ संचालित की जाएगी। नए एलएचबी रैक में कुल 22 कोच होंगे। इसमें प्रथम एसी, द्वितीय एसी, तृतीय एसी, थर्ड एसी इकॉनमी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं। साथ ही एसएलआरडी और जनरेटर कार भी जोड़ी गई हैं। इस नई संरचना से ट्रेन की क्षमता और संचालन दोनों में सुधार होगा।

थानों के सीसीटीवी सुरक्षित रखने के सख्त निर्देश हाई कोर्ट ने पुलिस कस्टडी में दो माह में चार मौतों पर तलब किया जवाब

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने छतरपुर जिले में पुलिस कस्टडी में दो माह के भीतर चार मौतों के मामले को बेहद गंभीरता से लिया। जस्टिस विवेक जैन व जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की डिवीजन बेंच ने राज्य शासन सहित अन्य से जवाब तलब कर करने, दोषी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज करने और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए। अगली सुनवाई 14 जुलाई को नियत की गई है।

जनहित याचिकाकर्ता खजुराहो निवासी समाजसेवी पीयूष दीक्षित की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि छतरपुर

जिले के विभिन्न थानों में महज दो माह के भीतर चार युवकों की पुलिस कस्टडी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। इन मौतों के लिए पुलिस की थर्ड डिग्री जिम्मेदार है। लिहाजा, मामले की जांच सीबीआई से कराने, दोषी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज करने और सीसीटीवी फुटेज और काल डिटेल् रिकार्ड तत्काल जब्त करने के निर्देश जारी हों। राज्य शासन की ओर से अवगत कराया गया कि चार में से दो मामलों में न्यायिक जांच के आदेश पहले ही

जारी किए जा चुके हैं। इसके बाद हाई कोर्ट ने सरकार, डीजीपी, आईजी सागर रंज, छतरपुर पुलिस अधीक्षक और राजनगर, चिंदला और गौरीहार थाना प्रभारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता ने सवाल भी उठाया कि चारों मामलों में पुलिस द्वारा लगभग एक जैसा जवाब दिया गया कि आरोपितों ने आत्महत्या कर ली या जहर खा लिया। लिहाजा, पुलिस कस्टडी और हवालात जैसी सुरक्षित जगहों पर आरोपितों तक जहर या फांसी लगाने के साधन कैसे पहुंचे, यह जांच का विषय है।

16 लाख के 33 किलो ग्राम गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार क्रेटा कार में हो रही थी गांजे की तस्करी

जबलपुर। नशा मुक्त मध्यप्रदेश अभियान के तहत जबलपुर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 33 किलो 300 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लगभग 16 लाख 65 हजार रुपये मूल्य का गांजा, दो मोबाइल फोन, नगद राशि तथा तस्करी में प्रयुक्त क्रेटा कार जब्त की है।



अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध जितेन्द्र सिंह ने कंट्रोलरूम में पत्रकारों से चर्चा कर बताया कि क्राइम ब्रांच एवं थाना बरेला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने मंडला की ओर से जबलपुर आ रही सफेद रंग की क्रेटा कार (एमपी-20-जेडजी-9299) को शारदा मंदिर तिराहे के

पास पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर रोका। पृष्ठताछ में आरोपी ने अपना नाम बुलराजू (57 वर्ष) पुलिस के कलवापल्ली, जिला पश्चिम गोदावरी (आंध्र प्रदेश) तथा वर्तमान निवासी शास्त्री नगर, मेडिकल कॉलेज क्षेत्र, जबलपुर बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से नगद 2 हजार 740 रुपये एवं दो मोबाइल फोन बरामद हुए। वाहन की तलाशी लेने पर कार के भीतर और बोनट के ऊपर विशेष रूप से छिपाकर रखे गए कुल 37 पैकेट मिले। तौल करने पर इनमें कुल 33 किलो 300 ग्राम गांजा पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 16 लाख 65 हजार रुपये आंकी गई है। प्रारंभिक पृष्ठताछ में आरोपी ने बताया कि वह उड़ीसा के टिटलागढ़ क्षेत्र से गांजा खरीदकर जबलपुर लाता था और स्थानीय स्तर पर इसकी सप्लाई करता था। पुलिस ने मामले में आरोपी बुलराजू के साथ एक अन्य आरोपी शुभम सोनकर के विरुद्ध थाना बरेला में अपराध क्रमांक 328/26 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया है।

रिकवरी एजेंट पहुंची तो सामने आया पूरा मामला

बैंक खाता खोलने के नाम पर धोखाधड़ी

जबलपुर। मदनमहल क्षेत्र की एक युवती के साथ बैंक खाता खुलवाने के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि उसके दस्तावेज लेकर बैंक खाता खोला गया, फिर उसकी जानकारी के बिना क्रेडिट कार्ड जारी कर लेन-देन किए गए। मामले की शिकायत पर पुलिस ने एक बैंककमी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मदनमहल थाना पुलिस के अनुसार तिलहरी निवासी पूनम तिवारी ने शिकायत दर्ज कराई है कि कुछ महीने पहले एक्सिस बैंक की कर्मचारी बताकर मोनाली सिंह उसके घर पहुंची थी। उसने बैंक खाता खुलवाने के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड और फोटो लिए थे। इसके बाद खाते से जुड़ी कोई जानकारी या दस्तावेज उसे नहीं मिले। 2 मई को बैंक की रिकवरी एजेंट उसके घर पहुंची और क्रेडिट कार्ड के बकाया भुगतान की मांग की। तब उसे पहली बार अपने नाम पर खाते और क्रेडिट कार्ड जारी होने की जानकारी मिली।

मोबाइल नंबर और ईमेल भी थे दूसरे के पीड़िता ने जांच कराई तो पता चला कि खाते में उसके पते के साथ एक अन्य पता भी दर्ज है। वहीं खाते से जुड़े मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी भी उसके नहीं थे। आरोप है कि ओटीपी और अन्य बैंकिंग प्रक्रियाओं का दुरुपयोग कर उसके नाम पर खाते का संचालन किया गया। उसने बताया कि उसने कभी किसी क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन नहीं किया और न ही किसी प्रकार के लेन-देन की अनुमति दी थी। पुलिस जांच में सामने आया कि खाता खोलने के नाम पर प्राप्त दस्तावेजों का उपयोग कर बैंक में खाता खोला गया और उसमें अनधिकृत लेन-देन किए गए। इस मामले में पीड़िता को करीब 84 हजार रुपये की वित्तीय हानि होना पाई गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मोनाली सिंह के खिलाफ धारा 318 (4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस ने किया बम सेना के हवाले

जमीन की खुदाई में मिला 12 किलो का जिंदा बम

जबलपुर। जबलपुर के खमरिया थानांतर्गत डुमना एयरपोर्ट के पास ग्राम गंदेरी में कल शुक्रवार शाम मकान निर्माण के दौरान खुदाई में जमीन में दबा जिंदा बम मिलने से हड़कंप मच गया। बम मिलने की सूचना मिलते ही खमरिया थाना पुलिस व बम स्क्वॉड टीम मौके पर पहुंची जहां जांच में पता चला कि यह भारी-भरकम जिंदा बम है, जिसकी मारक क्षमता करीब 50 मीटर तक बताई जा रही है। जिसके बाद पुलिस ने बम को सेना के अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया है, जिसे डिफ्यूज किया जाएगा। बताया जा रहा है कि जमीन के अंदर मिला बम यूएक्सओ है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम गंदेरी निवासी सुनील यादव के प्लॉट पर भवन निर्माण कार्य चल रहा था। उक्त निर्माण के लिए जब पिलर की खुदाई की जा रही थी तभी जमीन से करीब 3 से 4 फीट नीचे मजदूरों को एक संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। इस पर उन्होंने बम जैसी वस्तु होने की आशंका पर तुरंत पुलिस को सूचना दी। इस दौरान जमीन के अंदर बम मिलने की खबर गांव में आग की तरह फैल गई जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पर खमरिया थाना पुलिस, बम स्क्वाड टीम मौके पर पहुंची और सेना के अधिकारियों को सूचना दी। खमरिया थाना प्रभारी राजकुमार खटीक ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) मौके पर पहुंच गया। टीम ने पूरे इलाके को सुरक्षित कर संदिग्ध वस्तु की जांच की। जांच के दौरान



पुष्टि हुई कि वह एक जिंदा यूएक्सओ बम है, जिसका वजन करीब 12 किलो से अधिक बताया जा रहा है। फिलहाल बरामद बम को सेना द्वारा प्यूज करने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही बम यहां कैसे पहुंचा रहा इसकी भी जांच की जा रही है।